सुविचार

आपकी जिन्दगी बहुत ही अनमोल और सुन्दर है, इसे फालतू और बेकार बातों में नहीं गवाएं।

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom Of Speech

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

वर्ष 7, अंक-12 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 29 अप्रैल 2022 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 3 रुपये

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

कविता

यहाँ पंडित पूजे जाते हैं।
है हिंदुस्तान मेरा आजाद,
यहाँ अछूत भी कहीं जाते हैं,
माथे पर गर तिलकधारी हो,
यहाँ पंडित पूजे जाते हैं....
मन मैला तन ऊजरा फिर भी,
टीका बड़ा लगाते हैं,
छोटे बड़े का लिहाज भूल,
यहाँ पंडित पूजे जाते हैं....
अनपढ़ भले हो पर,
गुणगान उन्हीं का गाते हैं,
कोरा ज्ञान धरे बैठे,
यहाँ पंडित पूजे जाते हैं...
जात पात धर्म का हथियार चला,
नेता वोट पाते हैं,
आपस में लड़ा कर,
मजे खूब उड़ाते हैं,
यहाँ पंडित पूजे जाते हैं...
ज्ञानी भरे पड़े संसार में,
पर जात कहाँ वो पाते हैं,
यह पंडित पूजे जाते हैं...
गुणः सर्वत्र पूज्यते,
किताबों में ही पाते हैं,
अज्ञानता का अंधेरा छाया,
उजाला कहाँ हम लाते हैं,
यहां पंडित पूजे जाते हैं....
है भगवान का दूत वो,
कहाँ हम सर उठाते हैं,
जात धर्म का चक्कर भारी,
यहाँ पंडित पूजे जाते हैं...

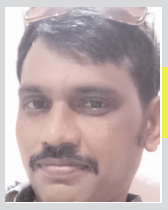

लेखक/कवि रामेश्वर मेहर

दिल्ली, महाराष्ट्र, कर्नाटक में बढ़े केस

लॉकडाउन से बचाव है तो करें नियमों का पालन

नई दिल्ली। भारत में कोरोना की चौथी लहर की आशंका बनी हुई है। दिल्ली के साथ ही कर्नाटक और महाराष्ट्र, उन राज्यों में शामिल हैं जहां केस बढ़ रहे हैं। इस बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने जनता से अपील की है कि यदि वे लॉकडाउन जैसी पाबंदियों से बचना चाहते हैं तो नियमों को पालन जरूर करें। बता दें, कोरोना केस में कमी आने के बाद लोगों ने मास्क लगाना बंद कर दिया है। सरकारों ने भी इस पर सख्ती खत्म कर दी, लेकिन अब फिर केस बढ़ने लगे हैं। चीन समेत कुछ अन्य देशों में केस फिर से बढ़ने लगे हैं। चीन मे तो सख्त लॉकडाउन लगाना पड़ा है। ऐसे में भारत में भी लोगों से अपील की जा रही है कि वे मास्क लगाने और समय-समय पर हाथ साफ करने की आदत शुरू कर दें।

क्या कर्नाटक में हो चुकी चौथी लहर की शुरुआत?

समाचार एजेंसी आईएएनएस की एक रिपोर्ट के अनुसार, मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा है कि कर्नाटक में 9 अप्रैल के बाद कोविड के मामलों की संख्या में मामूली वृद्धि देखी गई है, लेकिन इसे महामारी की चौथी लहर कहना जल्दबाजी होगी। उन्होंने हुबली में मीडियाकर्मियों से कहा, मामलों में वृद्धि की निगरानी की जा रही है और एहतियाती उपाय किए जा रहे हैं।

शंघाई जैसी स्थिति टालने के लिए बीजिंग में कोरोना जांच तेज

कोरोना के कारण बीजिंग में गुरुवार को कुछ स्कूलों और सार्वजनिक स्थलों को बंद कर दिया गया। चीन की राजधानी के दो करोड़ से ज्यादा लोग व्यापक स्तर पर कोरोना जांच के लिए आगे आए हैं ताकि वित्तीय केंद्र शंघाई के लाकडाउन जैसी स्थिति से बचा जा सके। शंघाई में अधिकांश लोग एक महीने से होम आइसोलेशन में हैं और रोजमर्रा की बुनियादी जरूरतें पूरी करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस बात की आशंका बढ़ रही है कि आने वाले महीनों में कुछ स्थानों पर लाकडाउन खत्म कर दिया जाएगा जबकि दूसरे स्थानों पर इसे लागू किया जा सकता है। बीजिंग ने इस सप्ताह शहर के अधिकांश हिस्से में तीन चरणों में सामूहिक जांच कराने की घोषणा कर रखी है। शहर में कई आवासीय परिसरों, कार्यालय और एक विश्वविद्यालय को बंद कर दिया गया है। इसके साथ ही कुछ स्कूल, मनोरंजन स्थल और पर्यटन केंद्रों को भी बंद किया गया है। बीजिंग में गुरुवार तीन बजे दिन तक पिछले 24 घंटे के दौरान स्थानीय संक्रमण के 56 नए मामले मिल चुके थे। महामारी की वर्तमान लहर में मिले मामलों की कुल संख्या 194 हो गई है। इनमें से आधे चाओयांग में मिले हैं।

सड़क पर तेज गति से वाहन चलाने वाले के खिलाफ क्या कार्यवाही होगी जानिए/Motor Vehicles Act,1988...।

भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा 279 यह स्पष्ट करती है कि कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक मार्ग पर तेज गति से वाहन चलाता है जिसे किसी व्यक्ति को खतरा उत्पन्न होने मात्र की संभावना हो तब वह व्यक्ति उपर्युक्त धारा के अंतर्गत दोषी होगा अर्थात कोई भी व्यक्ति किसी भी वाहन को सार्वजनिक सड़क पर तेज नहीं दौडा सकता है। अगर वह ऐसा करता है तब उसे अधिकतम छः माह की कारावास या एक हजार रुपये जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है। हम कह सकते हैं की भारतीय दण्ड संहिता के अनुसार यह एक गंभीर अपराध होता है पुलिस थाना अधिकारी ऐसे व्यक्ति पर उपर्युक्त धारा के अंतर्गत तुरंत एफआईआर दर्ज करेगी। विशेष विधि अर्थात मोटर यान अधिनियम,1988 के अनुसार भी ऐसे व्यक्ति को दण्डित किया जाता हैं पढ़िए।

मोटर यान अधिनियम,1988 की 183 के अंतर्गत दण्ड का प्रावधान- जो कोई व्यक्ति सरकार द्वारा बनाए गति-सीमा नियमो का उल्लंघन करता है अर्थात तेज गति से वाहन चलाता है तब -

हल्के वाहन होने पर अधिकतम दो हजार रुपये का जुर्माना।

वाहन यात्रियों का हो, माल भरा हो तब अधिकतम चार हजार रुपए जुर्माना होगा।

अगर कोई व्यक्ति दुवारा फिर गति सीमा से अधिक वाहन चलाता है तब अधिनियम की धारा 183 की उपधारा (iii) के अनुसार मोटर यान लाइसेंस निरस्त या परिबद्ध कर लिया जाएगा।?

विशेष नोट - भारतीय दण्ड संहिता एवं मोटर यान अधिनियम के अंतर्गत सजा एवं दण्ड अलग अलग होगा अर्थात IPC के अंतर्गत एक हजार रुपए का जुर्माना लगा है एवं मोटर यान अधिनियम के अंतर्गत चार हजार का तब एक हजार एवं चार हजार कुल पाँच हजार रुपये का जुर्माना लगेगा।

- लेखक बीआर अहिरवार(पत्रकार एवं विधि छात्र नर्मदापुरम) 9827737665

एससी-एसटी बिजनेस लीडरशिप प्रोग्राम

10 हजार नए उद्योग और 20 माइक्रो कलस्टर का लक्ष्य

युवा प्रदेश नेटवर्क

भोपाल। दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की) के तत्वाधान में 26 एवं 27 अप्रैल को भोपाल में एससी-एसटी बिजनेस लीडरशिप कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मध्यप्रदेष के सभी विकासखंडों से लगभग 500 एससी-एसटी उद्यमी, कारोबारी और युवा एकत्रित हो रहे हैं। दो दिनों के दौरान विभिन्न सत्रों में डिक्की के संस्थापक अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. मिलिंद कांबले और राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री रविकुमार नारा सहित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर सफल उद्यमी और विशेषज्ञ मध्यप्रदेश के उद्यमियों को बिजनेस लीडरशिप के लिए प्रशिक्षण देंगे। साथ ही उन्हें इन एससी-एसटी उद्यमियों को एक्सपोर्ट, बैकवर्ड-फॉरवर्ड लिंकेज के मौके उपलब्ध कराएंगे। उल्लेखनीय है कि डिक्की एससी-एसटी वर्ग के उद्यमीयों की अंतर्राष्ट्रीय संस्था है। इसके 30 राष्ट्रीय एवं 7 अंतरराष्ट्रीय चैप्टर है। डिक्की के संस्थापक पद्मश्री डॉ. मिलिंद कांबले, नेशनल एससी-एसटी हब (एमएसएमई विभाग, भारत सरकार) के चेयरमैन हैं। आधुनिक भारत के निर्माण एवं समावेशी विकास के लिए वे केंद्र सरकार के साथ विभिन्न पॉलिसी स्तर पर कार्य कर रहे हैं। इस प्रोग्राम का मुख्य उद्देश्य मध्य प्रदेश के फूड प्रोसेसिंग एवं एक्सपोर्ट के सामर्थ्य को जमीनी स्तर पर प्राप्त करना है।

■ 26-27 अप्रैल को जुटेंगे प्रदेश भर के एससी-एसटी उद्यमी और युवा

डिक्की की मध्य प्रदेश इकाई ने पिछले वर्ष इस क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य करते हुए करीब 1000 एससी-एसटी वर्ग के नवीन उद्योगों की स्थापना के लिए राष्ट्रीय पशुधन मिशन के विभिन्न घटकों में आवेदन, आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत संभावना वाले क्षेत्रों का चिन्हांकन, राष्ट्रीय खरीद नीति में युवाओं की भागीदारी के अनेक कदम उठाएं हैं। इस प्रोग्राम के माध्यम से डिक्की इस वर्ष में मध्य प्रदेश में करीब 10,000 नवीन उद्योगों एवं 20 माइक्रो क्लस्टर की स्थापना के लक्ष्य को हासिल करने का रोडमेप भी जारी करेगा। एससी-एसटी वर्ग का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में योगदान बढ़ाने के लिए करीब 500 ऐसे उद्योग चिन्हित किए हैं जिनकी बाजार में मांग है। डिक्की एमएसएमई, खाद्य प्रसंस्करण, उद्यानिकी, पशुपालन, डेयरी, पर्यटन, उद्योग, आदि विभागों के साथ लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए कार्य करता है।

अधिकारी को जानबूझकर का झूठी खबर देना कब अपराध होगा जानिए/IPC...

बहुत से लोग ऐसे होते हैं जो किसी भी अधिकारी या लोकसेवक को गुमराह करने के लिए झूठी सूचना या जानकारी देते हैं यह जानकारी बहुत से व्यक्ति जानबूझकर कर और लोकसेवक को परेशान करने के लिए देते हैं रहते, लेकिन बहुत से व्यक्ति यह नहीं जानते की झूठी सूचना देना उन्हें जेल भेज सकता है जानिए।

भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा 177 की परिभाषा- अगर कोई व्यक्ति किसी शासकीय सेवक या लोकसेवक को जानबूझकर कर कोई झूठी सूचना देगा या कोई मिथ्या जानकारी देगा वह व्यक्ति धारा177 के अंतर्गत दोषी होगा।

भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा 177 के अंतर्गत दण्ड का प्रावधान- इस धारा के अपराध किसी भी प्रकार से समझौता योग्य नहीं है यह असंज्ञेय एवं जमानतीय अपराध होते हैं। इनकी सुनवाई का अधिकार किसी भी मजिस्ट्रेट को होगा।

सजा- 1.किसी लोकसेवक या शासकीय सेवक को साधरण झूठी सूचना देने पर छः माह की कारावास या एक हजार रुपए जुर्माना या दोनो से दण्डित किया जा सकता है।

2. किसी पुलिस अधिकारी या अन्य लोकसेवक को अपराध किए जाने की झूठी सूचना देने पर दो वर्ष की कारावास या जुर्माना या दोनो से दण्डित किया जा सकता है।

विशेष नोट- उपर्युक्त धारा की पुलिस रिपोर्ट अर्थात एफआईआर दर्ज नहीं होगी क्योंकि असंज्ञेय अपराध के मामले में मजिस्ट्रेट के समक्ष डारेक्ट परिवाद दायर किया जाता है।

- लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान(महिला सामाजिक कार्यकर्ता उत्तर प्रदेश, अलीगढ़)

एप से मिलेगी 108 एंबुलेंसः निजी कैब जैसे बुकिंग कर जा सकेंगे मनचाहे अस्पताल

भोपाल। मप्र में शुक्रवार 29 अप्रैल से सरकारी एंबुलेंस नए स्वरूप में नजर आएंगी। 108 संजीवनी एक्सप्रेस की एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस की मदद से मप्र भर में मरीजों को व्हिल ऑन व्हील्स की सुविधा मिलेगी। इससे अति गंभीर मरीजों को गोल्डन ऑवर में इलाज करते हुए हॉस्पिटल तक पहुँचाया जाएगा। एक्सीडेंट में गंभीर घायलों को यह सुविधा निशुल्क मिलेगी। हादसे की जगह से सबसे नजदीक के अस्पताल में उन्हें भर्ती कराया जाएगा। एनएचएम की एमडी प्रियंका दास ने बताया कि कल 29 अप्रैल से शुरू हो रही एंबुलेंस सेवा को सीएम शिवराज सिंह चौहान लॉन्च करेंगे। लाल परेड ग्राउंड पर प्रदेश भर के लिए 2052 एंबुलेंस वाहनों को सीएम हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

एंबुलेंस कैसे बुक होगी

108 के कॉल सेंटर पर फोन करके एंबुलेंस बुक की जा सकती है। इसके अलावा MP 108 Sanjeevani एप से भी एंबुलेंस बुक की जा सकती है। इस एप पर पिकअप(मरीज की वर्तमान लोकेशन) और जिस अस्पताल आपको जाना है वहां की लोकेशन दर्ज कर एंबुलेंस बुक कर सकेंगे। मरीज तक एंबुलेंस पहुंचने की लोकेशन और टाइम एप पर ही देख सकेंगे।

एंबुलेंस किन मरीजों के लिए फ्री रहेगी

गर्भवती, महिलाओं, रोड एक्सीडेंट, विभिन्न हादसों के घायलों, बेसहारा मरीजों, बुजुर्गों के लिए फ्री रहेगी। आयुष्मान कार्ड धारी मरीज आयुष्मान योजना में इम्पैनल निजी अस्पतालों में फ्री जा सकेंगे।

अभी सिर्फ सरकारी अस्पताल छोडने का नियम

अब तक सरकारी एम्बुलेंस और जननी एक्सप्रेस ही उपलब्ध होती है। यह सुविधा सरकारी अस्पताल में आने वाले मरीजों को ही मिलती है। कई बार घंटों इंतजार भी करना पड़ता है। कई बार एम्बुलेंस नहीं होने से समय पर मरीज को इलाज नहीं मिल पाता और इलाज के अभाव में वह दम तोड़ देता है।

परिसंघ के असंगठित कामगार नेता मूलचन्द मेधोनिया का जबलपुर आगवन पर सौजन्य भेंट एवं परिचर्चा

जबलपुर। अखिल भारतीय अनुसूचित जाति और जनजाति संगठनों के परिसंघ मध्यप्रदेश के असंगठित कामगार प्रकोष्ठ परिसंघ भोपाल के प्रदेश अध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी मूलचन्द मेधोनिया का जबलपुर आगवन हुआ । श्री मूलचन्द मेधोनिया जी रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर परिसर पहुंचे। जहाँ पर परिसंघ के प्रदेश प्रतिनिधियों एवं जबलपुर जिला के अधिकारियों व कर्मचारियों जो कि परिसंघ के माध्यम से जन आवाज उठाने वाले सक्रिय वरिष्ठ लोगों ने श्रमिक नेता मूलचन्द मेधोनिया का जबलपुर में फूल-मालाओं से स्वागत व अभिनन्दन किया। परिसंघ के प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा बाबा साहब डॉ अम्बेडकर जी की प्रतिमा और रानी दुर्गावती जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये ।तत्पश्चात वहां पर कर्मचारियों व आरक्षित वर्ग के साथ हो रहे अन्याय और जानबूझकर छोटे कर्मचारियों को निलंबित करने परेशान करने के मामले पर चर्चा की। छोटे कर्मचारियों को प्रताड़ित करने सम्बन्धित समस्याओं को एकजुट होकर उठाने व हल कराने की दिशा में काम करने का आश्वासन दिया। परिसंघ के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अनुसूचित जाति और जनजाति की समस्याओं को लेकर उच्च स्तरीय अधिकारियों के संज्ञान में लाया जायेगा। तथा जबलपुर जिला में उत्पीड़न के मामलों को लेकर शीघ्र धरना प्रदर्शन भी किया जायेगा।इस अवसर पर परिसंघ प्रदेश उपाध्यक्ष अजय झरिया, जिला अध्यक्ष राजेन्द्र कापसे, कोषाध्यक्ष अनिल धनवर, सुखदीन कटारे, तीर्थ बर्मन, अजय सिंह, हीरालाल भारती, मोहनलाल रैकवार, कालूराम झरिया, निलेश जयसवाल, नितेश मिश्रा, हेमराज अहिरवार इत्यादि परिसंघ के लोग की उपस्थिति थी।

पानी है जिंदगानी

भैया ! अइसे न बहाव ,बहाव पानी
भैया अइसे न बहाव बहाव पानी
पानी है जिंदगानीज..
सूख जइहैं कुआं ,ताल ,डबरी
भरिहै न लोटा, गिलास गघरी
भैया अइसे न बहाव, बहाव पानी।
बिनु पानी सुख जइहै सब रुख-राई,
चिरई-चुनगु न बचिहै,मानुष कइसे बचपाई,
असमय अकाल पडिहय ,बाढ़ घिर आई।
भैया आइसे न बहाव ,बहाव पानी।
मुंह-हाथ धोवा,
करा चाहे मंजन धोवा पखारा ,नहाए चाहे सब जन,
थोरी -थोरी बचाव पानी भैया आइसे न बहाव,
बहाव पानी। कुआं नल के पास गढ्ढा बनवावा टूटे-टोंटिन के लिंकेज सुधरवावा
अइसे बूंद -बूंद पानी बचावा
भैया अइसे न बहाव, बहाव पानी।
तपे सुरुज बरसै अंगरा
नदी ताल जरगये, डोंगरा
पियासे धरती खोदे न मिलय पताल पानी
भैया अइसे न बहाव ,बहाव पानी।

प्रकाश प्रियतम

आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए मुख्यमंत्री से मिले विधायक

■ 6 सूत्री मांग पत्र सौंपकर की मुख्यमंत्री से स्वीकृति की मांग

अनूपपुर (ब्यूरो)। मध्यप्रदेश में नर्मदा सेवा मिशन तथा नर्मदा समग्र के संबंध में अमरकंटक में आयोजित विशेष बैठक में शामिल होने पधारे मध्यप्रदेश शासन के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी के सर्किट हाउस अमरकंटक पहुंचने के पूर्व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय स्थित हेलीपैड में भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री श्री चौहान का पुष्पगुच्छ भेंट कर पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को स्वागत किया।उन्होंने इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से आदिवासी बाहुल्य पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए 6 सूत्री अलग-अलग ज्ञापन दिए जिस पर मुख्यमंत्री ने कार्यवाही का आश्वासन दिया।पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने अपने ज्ञापन में जो मांग कि हैं उसमें प्रमुख हैं- पुष्पराजगढ़ आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है यहां की भौगोलिक स्थिति पहाड़ी होने के कारण आवागमन की सुविधा के दृष्टिकोण से सड़कों का निर्माण किया जाना आवश्यक है, पेयजल हेतु हैंडपंपों का खनन कराने की मांग की है उनका कहना है कि आमजन जंगल पहाड़ी में निवास कर जीवन यापन कर रहे हैं ग्रीष्म काल में मजरा टोला में भीषण पेयजल संकट उत्पन्न हो जाता है समूह जल प्रदाय योजना की मांग भी की गई थी परंतु आज तक स्वीकृति नहीं मिली उन्होंने ग्रामों की लिस्ट देते हुए

मांग की कि त्वरित हैंडपंप खनन कराने का कष्ट करें, विद्युत विहीन मजरा टोला का सर्वे कराकर विद्युतीकरण कराया जाए उनका कहना है कि जंगल पहाड़ों में निवासरत आदिवासी समुदाय के लोग आज भी अंधेरे में जिंदगी बिताने के लिए मजबूर हैं जिन्हें विकास की धारा में जोड़ने हेतु घरेलू प्रकाश के लिए विद्युतीकरण की नितांत आवश्यकता है, आदिवासी लोगों के जंगल पहाड़ों में रहने के कारण शुद्ध पेयजल की समस्या है जिसके लिए समूह जल प्रदाय योजना की स्वीकृति प्रदान की जाए, पवित्र नगरी अमरकंटक में सीवर ट्रीटमेंट प्लांट अति शीघ्र चालू कराया जाए, नर्मदा परिक्रमा पथ पर धर्मशाला निर्माण कराया जाए। विधायक पुष्पराजगढ़ फुंदेलाल सिंह मार्को की प्रमुख मांगों पर मुख्यमंत्री ने शीघ्र ही स्वीकृति प्रदान करने का विधायक को आश्वासन दिया।उन्होंने कहा कि आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सरकार की प्राथमिकता में है उसे पूरा किया जाएगा।

शादियों के लिए बढ़ी कारों की बिक्री

विदिशा। कोरोना के दो साल बाद शादियों के अबूझ मुहूर्त अक्षय तृतीया पर जिले भर में लगभग एक हजार शादियां होने का अनुमान है। इस बार शादियों के लिए कार बाजार में बूम है। शहर में अब तक डेढ़ सौ कारें बिक चुकी है। इसके अलावा सराफा, इलेक्ट्रानिक्स और कपड़ा बाजार लग्नसरा की खरीदी से गुलजार है। जिले में कोरोना के चलते पिछले दो वर्षों में लोगों को शादियों के लिए काफी परेशान होना पड़ा। कोरोना प्रतिबन्धों के बीच लोगों को मजबूरी में शादियां करना पड़ी लेकिन इस बार कोरोना के प्रतिबन्धों से मुक्ति और ग्रामीण क्षेत्रों में उपज अच्छी होने के कारण बाजार में लग्नसरा की ग्राहकी जोरों पर है।बीते एक पखवाड़े से बाजार में शहरी क्षेत्र के अलावा ग्रामीण क्षेत्र की ग्राहकी जोरों पर है। जिले में शादियों का सीजन चल रहा है। इसके बावजूद तीन मई को अक्षय तृतीया पर जिले में लगभग एक हजार शादियां होने का अनुमान है। पुजारी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित संजय पुरोहित का कहना है कि अक्षय तृतीया के दिन शादी के

लिए कोई अलग से मुहूर्त देखने की जरूरत नहीं होती है। जिनकी शादियों की तारीख नहीं निकल रही, वे भी इस दिन शादी कर सकते है। यही वजह है कि इस बार जिले भर में शादियों की भरमार है। विदिशा शहर में ही अक्षय तृतीया के दिन करीब तीन सौ शादियां है। इस दिन सुबह की दिवा लग्न से गौधुली और रात्रि में भी विवाह के मुहूर्त है। स्थिति ये है कि एक- एक पंडित के पास तीन से चार शादियां कराने का जिम्मा है। शादियों को लेकर इस बार लोगों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। वर और वधु पक्ष के लोग विवाह आयोजनों में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे है।

वैवाहिक सीजन से बाजार ने पकड़ा जोर

गंजबासौदा। इन दिनों शादी विवाह का मौसम अब उफान पर आ गया है। गर्मी की तेज तपन के बावजूद भी लोगों के उत्साह में कोई कमी दिखाई नहीं दे रही है। ज्ञात रहे कि 21 और 27 अप्रैल में मुहुर्त होने से बाजारों में भी खासी रोनक देखी गई। जिसमें सोना, चांदी कपड़ा रेडीमेड व्यवसाय किराना बाजार तथा बर्तनों की दुकानों और जूता चप्पलों के प्रतिष्ठानों पर गत सप्ताह से खासी चहल पहल ग्राहकों की देखी जा रही है।

लेकिन अब अक्षय तृतीय के मुहूर्त को लेकर बाजार में ग्राहकों की संख्या बढ़ गई है। शादी विवाहों के आयोजन में मंहगाई की टीस ने भी लोगों को हलाकान कर रखा है। शादी विवाह के आयोजनों में उपयोग आने वाली सामग्री की खरीददारी करने के लिए लोगों की भीड़ दुकानों पर देखी गई। वहीं सभी वस्तुओं पर मंहगाई से बढ़ते दामों के कारण लोगों में खासी प्रतिक्रियाएं होती नजर आईं। वहीं मध्यमवर्गीय और निर्धन वर्ग के तबके के लिए यह शादी विवाह के आयोजन भारी दिक्कतों के साथ गुजर रहे हैं। ऐसे वर्ग के लोगों ने ज्यादातर कुछ सामग्रियों में कटोत्री कर शादी विवाह की रस्में पूरी करने के रास्ते निकाले थे। क्योंकि महंगाई के कारण उनके खर्च का बजट गड़बड़ा गया था। गत सप्ताह निकली शादियों के मुहुर्त के कारण शहर के शादी गार्डन भी पूर्व से ही बुक होने के कारण भरे हुए थे, और कुछ लोगों की अचानक शादियों के मुहुर्त निकलने के कारण वह लोग शादी गार्डन बुक करने की तलाश में परेशान होते नजर आए। इस मंहगाई की मार ने शादी विवाह में आवश्यक रूप से आयोजन स्थल के रूप में गार्डन तथा शहनाईयां, बाजे और डीजे भी मंहगे दामों पर बुक कराने के लिए मजबूर होना पड़ा।

मावा सहित मिष्ठान की सामग्री भी हुई मंहगी

गत सप्ताह से नगर में शादी विवाह के मुहुर्त के कारण जमकर शादी विवाह के आयोजनों का दौर चला और बाजारों में भी खासी चहल पहल दिखाई दी। बाजार में तमाम दुकानें दुकानदारों द्वारा सजा धजा कर तैयार कर ली गई थी। तो वहीं इस बार मावे का भाव भी मंहगाई की मार से अछूता नहीं रहा। क्योंकि शादी विवाह के आयोजन में सबसे ज्यादा उपयोगी मिष्ठान बनाने के लिए, इसी का उपयोग होता है, और इसकी मांग भी इस मौसम में बढ़ जाती है। जिस कारण जमकर हुए शादी विवाह के आयोजन के दौरान मावा की दुकानों से मावा भी भरपूर मात्रा में नहीं मिलने के कारण आयोजक मावा खरीदने की तलाश में परेशान होते नजर आए। तो वहीं कुछ दुकानदारों ने मौके का फायदा उठाकर तेज भाव में मावे को बेचा।

नियमितीकरण की मांग के लिए मिल रहा जनसमर्थन

आंदोलन कर रहे मनेगा कर्मियों ने शुरू किया अभिनव सत्याग्रह

कोरिया। महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत काम करने वाले अधिकारी कर्मचारियों का सत्याग्रह निरन्तर जारी है। अपनी 2 सूत्रीय मांगों को लेकर गत 4 अप्रैल से आंदोलन कर रहे मनरेगा कर्मियों ने सरकार की वायदाखिलाफी के लिए नया सत्याग्रह प्रारम्भ कर दिया है।

मनरेगा महासंघ के जिलाध्यक्ष ने बताया कि महासंघ के निर्देश पर जिले में जल सत्याग्रह, बाइक रैली के अलावा कई तरह से गांधीवादी तरीके से अपनी बात सरकार तक ले जाने का प्रयास किया जा रहा है लेकिन अब तक सरकार ने इस दिशा में कोई पहल नहीं की है। अपने आंदोलन को अलग अलग तरीके से प्रस्तुत करने वाले मनरेगाकर्मियों ने बीते दो दिन से

अपनी नियमितीकरण की जायज मांग के लिए जनसमर्थन अभियान प्रारम्भ किया है। इसमे बाइक पर सवार होकर मनरेगा कर्मी जन जन तक पँहुच रहे हैं और सरकार की वायदाखिलाफी के बारे में विस्तार से जानकारी दे रहे हैं। इसके लिए वह आम जन से सरकार के प्रभावशाली लोगों तक वायदे को याद दिलाने के लिए एक जनसमर्थन पत्र भी दस्तखत करवा रहे हैं। इस तरह जनता से अपनी जॉज मांगो का समर्थन लेने के बाद सरकार के द्वारा दिये गए वायदे की लिखित कॉपी भी हाट बाजार में जगह जगह सार्वजनिक क्षेत्र में चस्पा कर लोगों तक अपनी बात पंहुचाई जा रही है। जिले के पदाधिकारियों ने बताया कि केवल जिला मुख्यालय बैकुंठपुर जनपद के सात हाट बाजार में कुल तीन ही दिन में 3 हजार से ज्यादा आम कोरियावासी आंदोलन के समर्थन में हस्ताक्षर कर चुके हैं। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि वह इस आंदोलन को गांधीवादी तरीके से निरन्तर जारी रखेंगे जब तक सरकार दोनों माँग पूरी नही करती है। जिले भर में 10 हजार से ज्यादा आम लोगों ने मनरेगा योजना के कर्मचारियों को अपना लिखित समर्थन किया है और यह जारी है।

डिक्की मप्र ने शासन के समक्ष विस्तृत प्रजेंटेशन के माध्यम से अपनी कार्ययोजना प्रस्तुत की गई

भोपाल। कृषि और संबंद्ध क्षेत्रों में उद्यमिता विकास के अवसरों को एससी-एसटी युवाओं और किसानों तक पहुंचाने के संबंध में डिक्की मध्यप्रदेश ने उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, मध्यप्रदेश शासन के समक्ष विस्तृत प्रजेंटेशन के माध्यम से अपनी कार्ययोजना प्रस्तुत की। राज्य मंत्रालय में हुई इस बैठक में विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री जेएन कांसोटिया (आईएएस) और कमिश्नर, हॉर्टीकल्चर श्री ई. रमेश कुमार (आईएएस) के साथ योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं उनके संभावित समाधान पर चर्चा हुई। डिक्की के सदस्य और विशेषज्ञों ने विषयवार चर्चा की और अपने सुझाव दिए है। ओडीओपी, पीएमएफएमई, ड्रिप इरीगेशन, वेंडरशिप, मार्केट लिंकेज, कलस्टर फॉरमेशन, लाइवस्टॉक मिशन, अफरमेटिव एक्शन, शासकीय नर्सरियां, मधुमक्खी पालन जैसी योजनाओं और अवसरों के माध्यम से उद्यमिता विकास के विविध पहलुओं पर चर्चा हुई। इन अवसरों से युवाओं को लाभांवित करने के लिए डिक्की विकासखंड स्तर पर हितग्राहियों के चिन्हित करेगा। इसके विस्तृत कार्ययोजना विभाग के साथ साझा की गई। बैठक में चैप्टर प्रेसिडेंट डॉ. अनिल सिरवैयां, फूड प्रोसेसिंग वर्टीकल और ट्राइबल वर्टीकल के सदस्य दीपक बघेल खरगौन, नेहा राय इंदौर, प्रशांत वर्मा, भोपाल, श्री मदनलाल खटीक तथा बिजनेस डेवलपमेंट एंड मैन्यफ्रेक्चरिंग एक्सपर्ट पैनल के सदस्य मौजूद थे।

जननी और शिशु की सुरक्षा का रखा जा रहा विशेष ख्याल

जननी शिशु सुरक्षा योजना के तहत स्वास्थ्य केंद्रों में मेनू अनुसार गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को मिल रहा पोषण आहार'

कोरिया। माताओं और बच्चों की सुरक्षा और पोषण को प्राथमिकता देते हुए जिले के स्वास्थ्य केंद्रों में गर्भवती माताओं को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है। इसी कड़ी में जिले के स्वास्थ्य केंद्रों में जननी शिशु स्वास्थ्य सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को उचित चिकित्सकीय सुविधा एवं पोषण आहार दिए जा रहे हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत शिशुवती माताओं के स्वास्थ्य सुधार के लिए निःशुल्क आहार उपलब्ध कराया जा रहा है जिसमें पोषण तत्वों का ख्याल भी रखा जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रामेश्वर शर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्रों में इस कार्यक्रम के तहत माताओं को प्रतिदिन मेनू चार्ट अनुसार भोजन दिया जा रहा है। नाश्ते में अण्डे, गुड़ के लड्डू आदि एवं भोजन में प्रोटीन के स्त्रोत दाल, चावल, सब्जी, सलाद के साथ अन्य पोषण आहार की व्यवस्था की गई है। उन्होंने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत गर्भवती, शिशुवती माताओं सहित नवजात बच्चों को निःशुल्क उपचार, आवश्यक जांच तथा दवाइयां प्रदान किया जाता है। गर्भवती माताओं को सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य जांच, प्रजनन से लेकर उसके पश्चात आवश्यक देखरेख से सम्बंधित सभी व्यवस्थाएं की जाती हैं। स्वास्थ्य केंद्र में सामान्य डिलीवरी होने पर तीन दिन तथा सीजेरियन डिलीवरी के मामले में सात दिनों तक पोषाहार दिया जाता है। जन्म से 30 दिनों तक कमजोर नवजात शिशु हेतु निःशुल्क दवाएं एवं जांच की सुविधा भी मुहैया करायी जाती हैं।

कड़ी धूप में भी गांव गांव पहुच रहे विधायक गुलाब कमरो, कही बाइक तो कही वार्डो में पैदल चल किया जनसम्पर्क

कोरिया/ सोनहत। कैसे हैं आप सब, किसी को परेशानी तो नही है, आपके गांव के लोगो को स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही है या नही, बच्चों का जाती प्रमाण पत्र बना की नही, पटवारी समय पर आते है या नही उक्ताशय की बातें विधायक गुलाब कमरो ने सोनहत ब्लॉक के वनांचल ग्राम कचोहर पहुचते ही ग्रामीणों से कही। आपको बता दे विधायक गुलाब कमरो का वनांचलों में सघन जनसम्पर्क लगातार जारी है इसी तारतम्य में विधायक गुलाब कमरो दुरस्त वनांचल ग्राम कचोहर पहुचे, जहां उन्होंने ग्रामीणों से बात कर उनका हाल जाना उनकी समस्याओं को सुना और निराकरण भी किया, ग्रामीणों की मांग पर विधायक ने तत्काल शेड और सीसी सड़क की स्वीकृति प्रदान करने का आश्वाशन भी दिया। ग्रामीणों की मांग पर विधायक बाइक पर बैठ काफी दूर तक जंगल मे स्थित नदी पर पहुचे और पुल निर्माण हेतु अवलोकन किया, जिसके बाद लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को तत्काल प्राकलन तैयार करने के निर्देश दिए,

विधायक के निर्देश पर विद्युतीकरण व पुल का हुआ सर्वे: विधायक गुलाब कमरो के निर्देश पर बिजली विभाग व लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने कचोहर बंशीपुर व नावटोला में विद्युतीकरण के लिए सर्वे का कार्य भी आरम्भ कर दिया है,साथ ही पुल निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने मौका मुवायना कर प्राकलन तैयार करना शुरू कर दिया है।

विधायक ने नवीन पँचायत भवन का किया लोकार्पण: सविप्रा उपाध्यक्ष एवं विधायकगुलाब कमरो ने वनांचल ग्राम पंचायत कचोहर में ग्रामीणों व कार्यकर्ताओं के साथ जनचौपाल/जनसम्पर्क कर छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किये जा रहे विकास कार्य ,योजनाओं एवं क्रियान्वयन से अवगत कराने के बाद नवीन पंचायत भवन सह राशन दुकान का फीता काट कर शुभारंभ किया साथ ही पँचायत पदाधिकारीयों व ग्राम जनों को नवीन भवन की शुभकामनाएं दी

बालशिव ,नावाडीह,गरुणडोल में चौपाल: विधायक गुलाब कमरो ने ग्राम गरुणडोल, बालशिव एवं नावाडीह में ग्रामीणों के बीच बैठकर चौपाल लगा कर समस्याओं को सुना और उनका निराकरण भी किया, विधायक ने ग्रामीणों के बीच कई स्थानों पर सीसी सड़क शेड निर्माण और अन्य जरूरत मन्द कार्यो की घोषणा भी किया

भैसवार में 58 लाख के बाजार शेड का भूमिपूजन: सावित्रा उपाध्यक्ष व विधायक गुलाब कमरो ने ग्राम भैसवार में 58.29 लाख के बाजार शेड चबूतरा सीसी रोड का भूमिपूजन किया, भूमिपूजन उपरांत विधायक गुलाब कमरो ने चौपाल लगा कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और उनका त्वरित निराकरण किया, विधायक ने छत्तीसगढ़ शासन के जन कल्याणकार योजनाओं की दी जानकारी इसी दौरान चकडंड में भी विधायक गुलाब कमरो ने चौपाल लगाई जहां भारी संख्या में लोग विधायक से मिलने और अपनी समस्या व मांग बताने पहुचे थे, विधायक ने एक एक करके सभी ग्रामीणों की बात सुनी समस्याओं का निराकरण किया, इस दौरान सचिव प्रवीण पाण्डेय को आवश्यक निर्देश भी दिया साथ ही बेहतर कार्य के लिए उनकी तारीफ की

लाडो अभियान अंतर्गत सेक्टर बनगवां में बालविवाह विवाह रोकने हेतु हुई जन जागरूकता रैली

अनूपपुर/राजनगर। बाल विवाह कानूनन अपराध है, 18 वर्ष से कम आयु की बालिका एवं 21 वर्ष से कम आयु के बालक की शादी बाल विवाह की श्रेणी में आता है इसी के संबंध में जागरूकता फैलाने हेतु आज सेक्टर बनगवां के विभिन्न वार्ड एवं ग्रामों में पर्यवेक्षक बीनू द्विवेदी के नेतृत्व में जन जागरूकता रैली निकाली गई एवं लोगों को बताया गया कि बाल विवाह में शामिल माता -पिता ,पारिवारिक सदस्यगण, पंडित जी ,टेंट वाले, कैटरर्स एवं बैंड सभी पर अपराध दर्ज होगा एवं बाल विवाह की स्थिति में जुर्माना एवं सजा का प्रावधान है। किसी भी स्थिति में माता-पिता बाल विवाह न करें एवम् बच्चों को शिक्षा से वंचित ना करें। पढ़ने खेलने की उम्र है, बाल विवाह जुर्म है÷इस नारे के साथ रैली के माध्यम से विभिन्न वार्डों में लोगों में जागरूकता जगाने हेतु आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं किशोरी बालिकाओं के द्वारा आवाज बुलंद की गई। साथ ही बताया गया कि कहीं भी बालविवाह होने पर तुरंत संबंधित वार्ड की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं पुलिस को सूचित करें। माता- पिता,आमजन एवं समाजसेवी इस वचन के प्रति प्रतिबद्ध हों कि क्षेत्र में कहीं भी बाल विवाह नहीं होने देंगे ना ही करेंगे। वैवाहिक आमंत्रण कार्ड में बालक एवं बालिका के नाम के साथ उनकी आयु भी डलवाकर समाज को उचित उम्र में विवाह के लिए प्रेरित करें।

तेज तपन के कारण कम होने लगी सब्जी की पैदावार

नर्मदापुरम। बीते पखवाड़े से ही गर्मी ने तेज रफ्तार पकड़ ली है। गर्मी का असर तेज होने के साथ ही सब्जी की पैदावार में कमी आई है, जिससे अचानक सब्जी के दामों में उछाल आने लगा है। सब्जी की फसल में सिंचाई की सुविधाएं कम होने तथा जमीनी जल का स्तर कम होने के कारण सिंचाई सुविधा का अभाव होने लगा है। कई सब्जी उत्पादक किसानों के पास सिंचाई सुविधा का अभाव होने से किसानों की सब्जी की फसल कमजोर हो गई, जिससे हर बार होने वाले गर्मी के मौसम में सब्जी की आवक में कमी हो रही है। इस कारण बाजार में हरी सब्जी की आवक पहले से काफी कम हुई है। जिससे हर हरी सब्जी के दाम तेज बने हुए हैं। दाम हर दिन बढ़ते ही जा रहे हैं॥ जो सब्जी बीते रविवार को 20-25और 30 रुपये प्रति किलो के भाव बिक रही थी। वह अब 40 रुपये से लेकर 60 रुपये प्रति किलो के भाव पहुंच गई है।

प्रदेश की पहली विधानसभा का हो रहा समग्र विकास - विधायक कमरो

बहुप्रतीक्षित सड़क और पंचायत सह पीडीएस भवन का विधायक ने किया भूमिपूजन

कोरिया। सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त भरतपुर-सोनहत विधायक गुलाब कमरो ने रविवार को विधानसभा अंतर्गत मनेंद्रगढ़ व सोनहत विकासखंड में विकास कार्यों का विधिवत भूमि पूजन किया। इस दौरान उन्होंने जनचौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं और कहा कि संपूर्ण विधानसभा क्षेत्र का प्राथमिकता से समग्र विकास किया जा रहा है। रविवार को विधायक कमरो ने अपने गृह ग्राम साल्ही में मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना अंतर्गत महावीर के घर से रामबरन के घर तक 77 लाख 71 हजार की लागत से बनने वाली बहुप्रतीक्षित सीसी सड़क सह नाली निर्माण कार्य एवं सोनहत विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कचोहर में 20 लाख की लागत से बनने वाले नवीन पंचायत सह पीडीएस भवन के भी निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया। विधायक ने कहा कि सड़क और

पुल-पुलियों की सौगात मिलने से क्षेत्र में विकास के द्वार खुल रहे हैं। वहीं उन्होंने कहा कि पंचायत भवन बनने से पंचायत की बैठक, मीटिंग आदि कार्य आसानी से संपन्न किए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि यहीं से गाँव के विकास का खाका भी तैयार किया जाएगा। विधायक ने कहा कि हमारी सरकार शहरी और ग्रामीण क्षेत्र दोनों का समानान्तर रूप से विकास कर रही है। ग्राम पंचायत में पुल-पुलिया, सड़क और भवन निर्माण कार्य करवाए जा रहे हैं जिससे की ग्रामीणों के भी जीवन को आसान बनाया जा सके। विधायक गुलाब कमरो विकास कार्यों के भूमि पूजन और लोकार्पण के दौरान हमेशा जन चौपाल और जनसंपर्क कर ग्रामीणों से सीधे रूबरू होने से नहीं चूकते। रविवार को भी उन्होंने सोनहत विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कचोहर सहित कई गाँवों में जनचौपाल लगाकर एवं सघन जनसंपर्क कर ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं की जानकारी देते हुए इससे लाभ उठाने का आह्वान किया। वहीं मौके पर ही उन्होंने ग्रामीणों से प्राप्त शिकायतों का निवारण भी किया। चौपाल एवं जनसंपर्क के माध्यम से विधायक से सीधे जुड़ने पर ग्रामीणों ने विधायक के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

रेत खनन के लिए हद पार कर रहे माफिया

नर्मदापुरम। सीहोर जिले में नर्मदा किनारे अवैध खनन कर रहा रेत माफिया ने अपनी हद पार कर ली है। रेत माफिया के गुर्गे अब नर्मदापुरम की सीमा के अंदर आकर रेत निकाल रहे हैं। रेत का अवैध करोबार दिन के समय में हो रहा है। नर्मदापुरम जिला प्रशासन के आला अधिकारियों के साथ ही खनिज विभाग की टीम भी नजर बनाए हुए हैं। सीहोर जिले से सटे गांवों के किनारे नर्मदा की बीच धार से होता हुआ रेत माफिया नर्मदापुरम जिले की ओर आ गया है। सर्किट हाउस से दिखने वाले रेत के अवैध करोबार का दायरा बढ़ा लिया गया है। सूत्रों की मानें तो कई रसूखदार माफिया अपने गुर्गों के जरिए रेत निकलवा रहे हैं, लेकिन इन पर कार्रवाई नहीं हो पा रही है। नर्मदापुरम जिला प्रशासन का मानना है कि नर्मदा नदी के बीच में से जो रेत निकाली जा रही है जिले की सीमा में नहीं आता है। जोशीपुर, जर्रापुर सहित अन्य गांवों से होते हुए रेत माफिया नर्मदा नदी को लांघकर नर्मदापुरम जिले की सीमा पर आ गए हैं।

मनेन्द्रगढ़ कप-2022 क्रिकेट टूर्नामेंट का रंगारंग शुभारम्भ

कोरिया। मनेन्द्रगढ़-मेरा बचपन इस शहर में बीता है। मेरा घर यहां है और मैं यहीं पढ़ा-लिखा हूँ, इसलिए यहां से मुझे ज्यादा स्नेह है। आप जितना सोचे नहीं होंगे उससे ज्यादा करूंगा। यह मेरी जिम्मेदारी है। मैं बोलता नहीं हूँ। फेसबुक में आता नहीं हूँ, लेकिन काम करके दिखाता हूँ। उक्त बातें मुख्य अतिथि सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त भरतपुर-सोनहत विधायक गुलाब कमरो ने प्रेसीडेंट क्लब मनेंद्रगढ़ द्वारा आयोजित मनेंद्रगढ़ कप-2022 क्रिकेट प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका परिषद् मनेंद्रगढ़ की अध्यक्ष प्रभा पटेल ने की वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व नपाध्यक्ष राजकुमार केशरवानी, उपाध्यक्ष कृष्ण मुरारी तिवारी, सेवानिवृत्त प्राचार्य एल एन सिंह, लखन लाल श्रीवास्तव,तपन मुखर्जी एल्डरमेन मो. अबरार, ज्योति मजूमदार, गिरधर जायसवाल, पार्षद श्यामसुंदर पोद्दार, नागेंद्र जायसवाल, अजमुद्दीन अंसारी, हमीदा खातून,जमील शाह, अजय जायसवाल,सरजू यादव, गोपाल गुप्ता, आदित्यराज डेविड, सपन महतो, शिवनारायण यादव, ऊषा यादव, इमरान खान, जफरून्निशा शाह, व्यंकटेश सिंह, सरदार जनप्रीत सिंह खनूजा,सपन महतो, चेंबर के कौशल अरोरा,पंकज जैन, संजीव ताम्रकार, संजय सिंह सेंगर, मनीष अग्रवाल, अमित पोद्दार,हफीज मेमन,संतोष मांझी ,सुधुलाल वर्मा,सौरभ मिश्रा,राम मनोहर शाह सहित नगर के गई गणमान्य नागरिक व जनप्रतिनिधि मंचासीन रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। अतिथियों का स्वागत क्लब के सदस्यों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंटकर किया गया।

स्पोर्ट्स हब के रूप में विकसित होगा मनेंद्रगढ़

प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर सुव्यवस्थित खेल मैदान के लिए क्लब के अध्यक्ष अधिवक्ता आशीष सिंह के द्वारा ज्ञापन सौंपे जाने पर विधायक कमरो ने खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों से भरे मिनी स्टेडियम में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए प्रदेश के संवेदनशील और ऊर्जावान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने खेल प्राधिकरण के अलावा राजीव युवा मितान क्लब का गठन किया है। उन्होंने कहा कि खेल में कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने यह भी विश्वास दिलाया कि स्टेडियम की चिंता करने की जरूरत नहीं है। ग्राउंड को घास और लाइट लगाकर और भी बेहतर और व्यवस्थित किया जाएगा। खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए विधायक कमरो ने कहा कि मनेंद्रगढ़ शहर को स्पोर्ट्स के हब के रूप में विकसित किया जायेगा।

विधायक ने मंच से दी श्रद्धांजलि

प्रतियोगिता के शुभारंभ से पूर्व शहर में समाजसेवी कार्यों एवं खेल प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए सहर्ष समर्पित रहने वाले स्व. सरदार हरचरण सिंह खनूजा, जिला क्रिकेट एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष स्व.संजय पोद्दार एवं स्व.कराटे मास्टर याकूब खान को श्रद्धांजलि दी गई। विधायक गुलाब कमरो ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया और कहा कि वे हमेशा याद किए जाते रहेंगे। साथ ही खेल प्रतिभाओं को हमेशा आगे बढ़ाने के लिए लालायित रहने वाले जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष रहे स्व. संजय पोद्दार की स्मृति में भव्य खेल स्पर्धा आयोजित किए जाने की बात कही।

मनेंद्रगढ़ होगा जिला मुख्यालय

नवीन जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में ओएसडी की नियुक्ति होने पर विधायक कमरो ने सभी को बधाई दी और मंच से जैसे ही यह विश्वास दिलाया कि नवीन जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर का मुख्यालय मनेंद्रगढ़ में होगा,स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

कोतमा पुलिस की बड़ी सफलता,

कुदरी टोला कोतमा से गुमसुदा 03 नाबालिग बालकों को 24 घण्टे के अन्दर सिहोरा जिला कटनी से किया गया दस्तयाब

कोतमा। दिनांक 21.04.2022 की रात्रि 09:30 बजे फरियादी अर्जुन साहू पिता रामसुन्दर साहू निवासी कुदरी टोला थाना कोतमा उपस्थित आकर सूचना दिया था कि उसके दोनों बेटे विपिन साहू उम्र 14 वर्ष, जितेन्द्र साहू उम्र 10 वर्ष एवं पडोस का राम यादव तीनों बच्चे घर से स्कूल पुस्तक जमा करने को कहकर सुबह 09:30 बजे घर से निकले थे। जो अभी तक वापस नहीं आये हैं। जिस पर थाना कोतमा में अपराध क्रमांक 218/22 धारा 363 ताहि0 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। प्रकरण तीन नाबालिग बच्चों के गुम/अपहरण का होने से अत्यंत गंभीर एवं संवेदनशील प्रकृति का था उक्त घटना को पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री अखिल पटेल द्वारा गंभीरता से लेते हुए अति0पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतमा निरीक्षक अजय कुमार के नेतृत्व में थाना कोतमा एवं सायबर सेल अनूपपुर की विशेष टीम गटित कर त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। प्रकरण में विशेष टीम द्वारा अनुसंधान की वैज्ञानिक पद्धति का सहारा लेते हुए विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान घटना स्थल के सीसीटीव्ही फुटेज का निरीक्षण एवं मोबाईल के टावर लोकेशन के आधार पर से जानकारी प्राप्त हुई कि तीनों बच्चे सिहोरा जिला कटनी में हैं। जिन्हे त्वरित कार्यवाही करते हुये सिहोरा जिला कटनी दस्तयाब किया गया। तीनों बच्चों से प्रारंभिक पूछताछ यह तथ्य सामने आया है कि वे खेलते खेलते अचानक ट्रेन में बैठकर घूमने के लिए हरद रेल्वे स्टेशन से अनूपपुर, फिर अनूपपुर से सिहोरा घूमने के लिए चले गये थे। तीनों नाबालिग बच्चों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

रायसेनः फैमिली को खत्म करने वाले ज्वेलर के भाई का खुलासा

रायसेन। रायसेन में सराफा व्यापारी जितेंद्र सोनी की आत्महत्या मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। जितेंद्र ने आर्थिक तंगी से परेशान होकर बेटे और पत्नी को जहर दिया और फिर फांसी लगा ली। जितेंद्र के भाई ने सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि परिवार की जमीन पर सरकार ने अपना दफ्तर बना लिया। जहां जनपद और एसडीएम ऑफिस बना है, वो जमीन हमारी है। सरकार ने जबरन कब्जा कर लिया। मुआवजा एक रुपए भी नहीं मिला। हालात ऐसे हो गए परिवार को ऐसा कदम उठाना पड़ा।

बाड़ी में सड़क के नजदीक छह एकड़ 25 डेसीमल जमीन है। यहां दो एकड़ से ज्यादा जमीन पर सरकार ने अतिक्रमण करके जनपद ऑफिस, एसडीओपी दफ्तर सहित दूसरे सरकारी विभागों के ऑफिस बना लिए हैं। शेष बची चार एकड़ जमीन पर सरकार ने पट्?टे बांटकर झुग्गी

बस्ती बसा दी है। जबकि सरकार को जमीन का लगान हम चुकाते हैं। यह जमीन पुरखों ने कभी भी शासन को दान में नहीं दी। न ही इस जमीन का कोई मुआवजा लिया है। निजी पैत्रक जमीन पर शासन के कब्जे के खिलाफ तहसील दफ्तर से लेकर हाईकोर्ट तक केस लगाया है। सभी जगह से अब तक तारीख पर तारीख ही मिल रही है। फैसला किसी भी कोर्ट ने नहीं हुआ। कोर्ट में केस लड़ते - लड़ते 25 साल से ज्यादा हो गए हैं। जितने रुपए की जमीन नहीं है, उससे ज्यादा रुपए तो केस लड़ने पर खर्च हो चुके हैं। भैय्या (जितेंद्र सोनी) इस केस को 25 साल से कोर्ट में लड़ रहे हैं।

बाल विवाह के खिलाफ जिले में लगातार कार्रवाई जारी,

विकासखण्ड सोनहत के ग्राम सलगवांकला में बाल विवाह रोकने में मिली सफलता

कोरिया। बाल संरक्षण इकाई एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम की के द्वारा विकासखण्ड सोनहत के ग्राम सलगवांकला में बाल विवाह के प्रकरण को संज्ञान में लेकर, मौके में पहुंच कर विवाह होने से रोके जाने में सफलता प्राप्त की है। जानकारी प्राप्त होते ही टीम द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बालिका की निर्धारित आयु 18 वर्ष से कम होने के कारण टीम द्वारा परिजनों को समझाइश देकर पंचनामा तैयार कर विवाह रोका गया। इस मौके पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी, सुपरवाइजर, विशेष किशोर पुलिस इकाई, जिला संरक्षण इकाई के कर्मचारी पर्यवेक्षक उपस्थित थे। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि बाल विवाह केवल एक सामाजिक बुराई ही नहीं अपितु कानूनन अपराध भी है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत बाल विवाह करने वाले वर एवं वधु के माता-पिता सगे संबंधी बराती एवं विवाह कराने वाले

पुरोहित पर भी कानूनी कार्यवाही की जा सकती है। इसके अतिरिक्त यदि वर या कन्या बाल विवाह पश्चात विवाह को स्वीकार नही करते है तो बालिग होने के पश्चात विवाह को शून्य घोषित करने हेतु आवेदन कर सकते है। बाल विवाह के कारण बच्चों में कुपोषण, शिशु-मृत्यु दर एवं मातृ-मृत्यु दर के साथ घरेलू हिंसा में भी वृद्धि होती है। अतः हम सभी का दायित्व है कि समाज में व्याप्त इस बुराई के पूर्णतः उन्मूलन हेतु जनप्रतिनिधियों, नगरीय निकाय तथा पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों, स्वयं सेवी संगठनों एवं आमजनों से सहयोग प्राप्त कर इस प्रथा के उन्मूलन हेतु कारगर कार्यवाही किया जाए।

लौटेगी मुस्कान, कटे होंठ, तालु, और क्लब फुट की समस्या से पीड़ित बच्चों को मिलेगी निजात

कोरिया। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में जिले में चिरायु दल के द्वारा कटे-फटे होंठ, तालु, क्लबफुट की समस्या से पीड़ित बच्चों को चिन्हांकित करने के लिए सर्वे किया जा रहा है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम चिरायु के अंतर्गत क्लेफ्ट लिप, पैलेट (कटे फटे होट एवं तालू) एवं क्लब फूट (टेड़े मेड़े पैर) की विकृति के उपचार एवं सर्जरी हेतु नि:शुल्क शिविर का आयोजन दिनांक 27 अप्रैल को विकासखण्ड बैकुण्ठपुर में जिला चिकित्सालय में एवं दिनांक 28 अप्रैल को विकासखण्ड मनेन्द्रगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सुबह 10 बजे से आयोजित किया जाएगा। शिविर में ख्यातिप्राप्त प्लास्टिक सर्जन डॉ. विकास शर्मा तथा प्लास्टिक एवं बर्न सर्जन डॉ. शशिकांत साहू के द्वारा जांच एवं सर्जरी की जाएगी। महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले शिविर में जिले में चिन्हांकित बच्चों को इलाज की सरल सुविधा मुहैया कराई जाएगी। 'जिले में 12 दल हैं कार्यरत, चिरायु योजनातर्गत 41 बीमारियों का हो रहा इलाज' जिला में सभी विकासखण्डों में वर्तमान में 12 चिरायु दल कार्यरत है। प्रत्येक चिरायु दल में 01 आयुष मेडिकल ऑफिसर पुरूष,01 मेडिकल ऑफिसर महिला, 01 फार्मेशिस्ट, 01 एएनएम एवं 01 लैब टेक्नीशियन कार्यरत हैं। चिरायु कार्यक्रम के अंतर्गत 05 कैटेगरी में 41 बीमारियों का उपचार किया जाता है। योजना के तहत बच्चों की नि:शुल्क हेल्थ स्क्रीनिंग, उपचार तथा सर्जरी किया जाता है।

सागर में गुरुवार देर रात एक कार कुएं में गिर गई, शिक्षक और उनके दो बेटों की डूबने से मौत

सागर। सागर में गुरुवार देर रात एक कार कुएं में गिर गई। उसमें सवार शिक्षक और उनके दो बेटों की डूबने से मौत हो गई। हादसा रात 9.45 बजे हुआ। शिक्षक अपने दोनों बेटों को कार में घुमाने के बाद घर लौट रहे थे। घर के पास जैसे ही कार को रिवर्स किया, पीछे 50 फीट गहरे कुएं में जा गिरी। कुएं में करीब 10 फीट पानी है। पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद तीनों के शव बाहर निकाले जा सके। मोतीनगर पुलिस हादसे का सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। मुंडीटोरी इलाके में रेलवे ट्रैक के पास गोविंदनगर कॉलोनी में 40 वर्षीय शिक्षक हिमांशु तिवारी का परिवार रहता है। शिकारपुर माध्यमिक शाला में पदस्थ हिमांशु गुरुवार की रात बेटे नित्यांशु (14) उर्फ बिट्टू तिवारी और धनंजय (10) उर्फ ध्रुव तिवारी को कार से घुमाने निकले थे। घर के सामने ही कुछ दूरी पर कुआं है। वापस आए तो कार घर खड़ी करने के लिए रिवर्स कर रहे थे, तभी

अचानक कार की स्पीड बढ़ गई और पीछे की तरफ कुएं में जा गिरी। पत्नी मणिप्रभा घर के अंदर थी। कुएं में कुछ गिरने की आवाज सुनकर लोगों ने उसमें झांका तो कार का हिस्सा दिखाई दिया। इससे अफरा-तफरी मच गई और कॉलोनी के लोग जमा हो गए। रिवर्स करते समय कार कुएं में जा गिरी। काफी मशक्कत के बाद कार को बाहर निकाला जा सका। हादसे में टीचर और उनके दो बेटों की मौत हो गई। रिवर्स करते समय कार कुएं में जा गिरी। काफी मशक्कत के बाद कार को बाहर निकाला जा सका। हादसे में टीचर और उनके दो बेटों की मौत हो गई। डायल-100 और मोतीनगर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने रेस्क्यू शुरू किया। क्रेन मंगाई गई। इससे कार को बाहर निकाला गया। जिसके अंदर हिमांशु का शव देख चीख-पुकार मच गई। दोनों बच्चे कार से बाहर कुएं के अंदर मिले। पहले छोटे बेटे ध्रुव का शव निकाला। कुछ देर बाद कांटा डालकर बड़े बेटे बिट्टू का शव खोजा गया। देर रात तक पत्नी मणिप्रभा को पति और बच्चों की मौत की खबर नहीं दी गई थी। उन्हें बताया गया था कि तीनों का इलाज चल रहा है। हिमांशु का बड़ा बेटा बिट्टू जन्म से ही दिव्यांग था। उसे घुमाने के लिए पिता ने कार खरीदी थी। हिमांशु रात में भोजन के बाद रोज घर के सामने वाले मैदान में दोनों बच्चों को कार से घुमाते थे। कई बार पड़ोसियों के बच्चे भी कार में घूमने जाते थे। गुरुवार की रात सिर्फ दोनों बेटे ही कार में थे।

संपादकीय

क्या प्रशांत किशोर कांग्रेस के डूबते जहाज को बचा पाएंगे?

वर्तमान में कांग्रेस अपनी डूबती नाव को किनारे पर लाने का गंभीरता से प्रयास करती हुई दिखाई देने लगी है। ऐसा लगने लगा है कि अब कांग्रेस के नेताओं को यह भली भांति आभास होने लगा है कि केवल सरकार की नीतियों का विरोध मात्र करने से ही उसको राजनीतिक सफलता नहीं मिलेगी, इसके लिए कुछ और भी प्रयास करने होंगे। कांग्रेस की वर्तमान स्थिति के बारे में अध्ययन किया जाए तो यही परिलक्षित होता दिखाई देता है कि पार्टी में कोई चमत्कारिक नेता नहीं बचा है। जिस गांधी परिवार से चमत्कार की आशा की जा रही थी, वह प्रयोग भी अब अपने आप पर असफलता के टैग को स्थापित कर चुका है। इसलिए कांग्रेस नए प्रकार से सोचने के लिए विवश है। कांग्रेस की डूबती नाव को सहारा देने के लिए चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर पर विश्वास करने के अलावा कांग्रेस के पास कोई विकल्प नहीं है। अब सवाल यह उठता है कि क्या प्रशांत किशोर कांग्रेस के डूबते जहाज को बचा पाएंगे। क्योंकि प्रशांत किशोर केवल पैसे के लिए ही काम करते हैं, उन्हें किसी के नीति और सिद्धांत से कोई सरोकार नहीं है। ऐसा इसलिए भी कहा जा सकता है कि प्रशांत किशोर ने अब कई ऐसे राजनीतिक दलों के साथ कार्य किया है, जो विचारधारा से एकदम विपरीत हैं। इतना ही नहीं कांग्रेस को उबारना प्रशांत किशोर के लिए इसलिए भी टेढ़ी खीर है, क्योंकि जब कांग्रेस नेतृत्व ही अपने नेताओं के निशाने पर है, तब प्रशांत किशोर किस आशा के साथ कांग्रेस को उबारने का संकल्प लेने के लिए उतावले हैं। कांग्रेस को अधोगति से बचाने के लिए प्रशांत किशोर कितना कुछ कर पाएंगे, यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है, क्योंकि कांग्रेस के नेता प्रशांत किशोर की सुनेंगे या फिर सोनिया गांधी, राहुल गांधी या फिर प्रियंका वाड्रा की मानेंगे। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि यह परिवार कांग्रेस को अपनी बपौती मानकर व्यवहार करता रहा है। और कांग्रेस के कई नेता इन्हीं को अपना सब कुछ मानते हैं। हालांकि जो नेता कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल उठा रहे हैं, उनको मिशन 2024 के लिए कांग्रेस को अपने ही वरिष्ठ नेतृत्व पर भरोसा नहीं है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का एक समूह अपने नेतृत्व के विरोध में खुले मैदान में आ चुका है।

जनाधार विहीन नेताओं को पद से हटाकर ही मजबूत हो सकती है कांग्रेस

सोनिया गांधी से प्रशांत किशोर की चर्चा के दौरान पार्टी के बड़े नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित अन्य कई पदाधिकारी मौजूद थे। चिंतन शिविर के माध्यम से कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी प्रशांत किशोर के प्लान पर भी चर्चा करवा कर उसको पारित करवाएंगी ताकि भविष्य में प्रशांत किशोर का प्लान यदि फेल हो जाता है तो भी पार्टी अध्यक्ष पर अंगुली नहीं उठ पाए। इससे पूर्व प्रशांत किशोर 2017 में उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव में राहुल गांधी के साथ काम कर चुके हैं। उस दौरान उनकी सलाह पर उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी द्वारा जगह-जगह खाट सभाओं का आयोजन करवाया गया था। जिस पर पार्टी का करोड़ों रुपया खर्च हो गया था। मगर परिणाम में पार्टी 403 में से मात्र 7 सीटों पर ही जीत पाई थी।

पांच राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस में ग्रुप-23 के असंतुष्ट नेताओं द्वारा उठे विरोध के स्वर को दबाने के लिए कांग्रेस पार्टी अगले माह राजस्थान के उदयपुर में तीन दिवसीय चिंतन शिविर लगाने जा रही है। जिसमें देश भर से पार्टी के 400 बड़े नेता एक जगह बैठ कर पार्टी के गिरते जनाधार को रोकने व आगे होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत की संभावना को लेकर चिंतन मनन करेंगे। इस चिंतन शिविर के माध्यम से कांग्रेस पार्टी भविष्य के लिए एक रोडमैप भी तय करेगी। जिसके सहारे आगे बढ़कर पार्टी अपना जनाधार एक बार फिर से बढ़ा सके। राजनीतिक दलों को सलाह देने वाले पेशेवर सलाहकार प्रशांत किशोर ने हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को एक कार्य योजना सुझायी है। जिसके माध्यम से कांग्रेस का जनाधार मजबूत हो सकता है।

सोनिया गांधी से प्रशांत किशोर की चर्चा के दौरान पार्टी के बड़े नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित अन्य कई पदाधिकारी मौजूद थे। चिंतन शिविर के माध्यम से कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी प्रशांत किशोर के प्लान पर भी चर्चा करवा कर उसको पारित करवाएंगी ताकि भविष्य में प्रशांत किशोर का प्लान यदि फेल हो जाता है तो भी पार्टी अध्यक्ष पर अंगुली नहीं उठ पाए। इससे पूर्व प्रशांत किशोर 2017 में उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव में राहुल गांधी के साथ काम कर चुके हैं। उस दौरान उनकी सलाह पर उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी द्वारा जगह-जगह खाट सभाओं का आयोजन करवाया गया था। जिस पर पार्टी का करोड़ों रुपया खर्च हो गया था। मगर परिणाम में पार्टी 403 में से मात्र 7 सीटों पर ही जीत पाई थी। उसके बाद प्रशांत किशोर राहुल गांधी से अलग हो गए थे। आज कांग्रेस पार्टी के समक्ष सबसे बड़ी समस्या अपने गिरते जनाधार को रोकने की है। 2014 में जब नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने थे। उस समय कांग्रेस पार्टी की देश के एक दर्जन से अधिक प्रदेशों में सरकार चल रही थी। मगर धीरे-धीरे करके प्रदेशों में चुनाव हारने के चलते आज कांग्रेस पार्टी की सिर्फ राजस्थान और छत्तीसगढ़ में ही सरकार बची है। महाराष्ट्र व झारखंड में कांग्रेस पार्टी एक सहयोगी के रूप में सरकार में शामिल है। पांच राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव में भी कांग्रेस पार्टी कुछ विशेष नहीं कर पाई। पंजाब जहां चुनाव से पहले कांग्रेस की सरकार चल रही थी। वहां भी पार्टी चुनाव हार कर एक चौथाई सीटों पर ही सिमट गई। पंजाब में पार्टी अपने ही बड़े नेताओं की कलह की शिकार हो गई। चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह को पद से हटाना पार्टी को भारी पड़ गया। कैप्टन के स्थान पर मुख्यमंत्री बनाए गए चरणजीत सिंह चन्नी दोनो विधानसभा सीटों से व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू अमृतसर पूर्व विधानसभा सीट से चुनाव हार गए। पार्टी के अधिकांश बड़े नेता चुनाव नहीं जीत पाए थे।

■ उत्तराखंड में मुख्यमंत्री के दावेदार हरीश रावत इस बार फिर चुनाव हार गए। वहां कांग्रेस मात्र 19 सीटें ही जीत सकी है।

चुनाव के बाद पार्टी ने विधायक दल का नेता व प्रदेश अध्यक्ष पद पर नए लोगों को बैठा दिय। उसके उपरांत भी पार्टी में खींचतान वैसे ही चल रही है।

उत्तराखंड में मुख्यमंत्री के दावेदार हरीश रावत इस बार फिर चुनाव हार गए। वहां कांग्रेस मात्र 19 सीटें ही जीत सकी है। पार्टी में नए प्रदेश अध्यक्ष व विधायक दल के नेता के मनोनयन के बाद तो आपसी कलह खुलकर सड़कों पर आ गई है। कई विधायकों ने पार्टी छोड़ने तक की धमकी दे दी है। पंजाब में कांग्रेस की लुटिया डुबोने में सबसे बड़ा हाथ हरीश रावत का रहा था। उन्होंने ही उत्तराखंड में भी कांग्रेस का सफाया करवा दिया। उत्तराखंड में भाजपा ने लगातार दूसरी बार सरकार बनाकर एक इतिहास रचा है। जबकि कांग्रेस को सबसे अधिक आस उत्तराखंड में ही सरकार बनाने की थी। मगर पार्टी नेताओं की आपसी कलह के चलते कांग्रेस ने अवसर गंवा दिया था। गोवा और मणिपुर में भी कांग्रेस कुछ खास नहीं कर पाई। गोवा में कांग्रेस को 11 सीटें मिलीं वहीं मणिपुर में तो कांग्रेस की सीटों की संख्या 28 से घटकर 5 रह गई। उत्तर प्रदेश जैसे देश के सबसे बड़े प्रांत में कांग्रेस महज 2 सीटें ही जीत पाई। कांग्रेस पार्टी में तीसरे नंबर की बड़ी नेता व महासचिव प्रियंका गांधी राजनीति में सक्रिय होने के बाद अपना पूरा फोकस उत्तर प्रदेश पर ही लगा रखा था। पहले उनके साथ महासचिव के रूप में ज्योतिरादित्य सिंधिया आधे उत्तर प्रदेश के प्रभारी थे। मगर सिंधिया के पार्टी छोड़ने के बाद उत्तर प्रदेश का पूरा प्रभार प्रियंका गांधी के पास ही था। उनके साथ सचिवों व बड़े नेताओं की बड़ी टीम काम कर रही थी। पिछले 3 साल से प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश के गांव-गांव में जाकर लोगों से मिल रही थी। प्रियंका गांधी की सक्रियता के चलते पार्टी को उम्मीद बंधी थी कि इस बार के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस बेहतर स्थिति में रहेगी। मगर चुनावी नतीजों ने पार्टी की आशाओं को धराशायी कर दिया। 2017 में जहां कांग्रेस के पास 7 विधानसभा सीटें थीं। उसकी तुलना में इस बार कांग्रेस महज 2 सीटों पर ही सिमट कर रह गई। 397 सीटों पर सीटों पर चुनाव लड़ कर महज 2 सीटें जीतना पार्टी के लिए किसी सदमे से कम नहीं था। इतना ही नहीं पार्टी के वोट प्रतिशत भी घटकर 2.33 प्रतिशत रह गया है। प्रियंका गांधी के नेतृत्व में ही कांग्रेस ने 2019 का लोकसभा चुनाव लड़ा था। जिसमें कांग्रेस के बड़े नेता राहुल गांधी अपनी परंपरागत अमेठी सीट से भाजपा की नेता स्मृति ईरानी से चुनाव हार गए थे। अब उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के पास एक रायबरेली की लोकसभा सीट व दो विधानसभा सीटें रह गई हैं। कांग्रेस पार्टी अगले महीने चिंतन शिविर का आयोजन कर रही है। उसमें पार्टी को धरातल के मुद्दों पर जरूर चर्चा करनी चाहिए। पांच राज्यों में चुनावी हार के बाद वहां के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक दल के नेता को तो बदल दिया गया है। मगर चुनाव के दौरान वहां प्रदेश प्रभारी रहे महासचिव, सचिव, स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन आज भी अपने पदों पर पूर्ववत बरकरार हैं। उनको क्यों नहीं बदला गया यह विचार करने का विषय है। पार्टी के महासचिव व प्रदेश प्रभारी पद पर ज्यादातर ऐसे नेताओं को नियुक्त किया गया है जिनका अपना कोई जनाधार नहीं रहा है। जो लगातार बड़े अंतर से कई चुनाव हार चुके हैं। जनता में उनकी नकारात्मक छवि है। केसी वेणुगोपाल, मुकुल वासनिक, अजय माकन, अविनाश पांडे, प्रियंका गांधी, रणदीप सिंह सुरजेवाला, भंवर जितेंद्र सिंह, ओम्मान चांडी, तारिक अनवर पार्टी के महासचिव हैं। मगर इनमें से एक भी चुनाव जीता हुआ नेता नहीं है।

भारत में गरीबी कम होने के दावे पर आईएमएफ और विश्व बैंक ने लगाई मुहर

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने महामारी, गरीबी और असमानता- भारत से मिले साक्ष्य विषय पर एक शोधपत्र जारी किया था, जिसके अनुसार भारत में अत्यंत गरीबी में बहुत तेजी से गिरावट दर्ज की गई है एवं यह अब 0.8 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई है। अत्यंत गरीब उस व्यक्ति को माना जाता है जिसकी प्रतिदिन आय 1.9 अमेरिकी डॉलर से कम है। इसके तुरंत बाद अब विश्व बैंक ने भी एक पॉलिसी रिसर्च वर्किंग पेपर (शोध पत्र) जारी किया है। इस शोध पत्र के अनुसार वर्ष 2011 से 2019 के बीच भारत में गरीबों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है। वर्ष 2011 में भारत में गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे व्यक्तियों की संख्या 22.5 प्रतिशत थी जो वर्ष 2019 में घटकर 10.2 प्रतिशत पर नीचे आ गई है अर्थात गरीबों की संख्या में 12.3 प्रतिशत की गिरावट दृष्टिगोचर है। अत्यंत चौंकाने वाला एक तथ्य यह भी उभरकर सामने आया है कि भारत के शहरी क्षेत्रों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों की संख्या बहुत तेज गति से कम हुई है। जहां ग्रामीण इलाकों में गरीबों की संख्या वर्ष 2011 के 26.3 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2019 में 11.6 प्रतिशत पर आ गई है अर्थात यह 14.7 प्रतिशत से कम हुई है तो शहरी क्षेत्रों में यह संख्या 7.9 प्रतिशत से कम हुई है। उक्त शोधपत्र में एक अन्य महत्वपूर्ण तथ्य यह भी बताया गया है कि वर्ष 2015 से वर्ष 2019 के बीच गरीबों की संख्या अधिक तेजी से घटी है। वर्ष 2011 से वर्ष 2015 के दौरान गरीबों की संख्या 3.4 प्रतिशत से घटी है वहीं वर्ष 2015 से 2019 के दौरान यह 9.1 प्रतिशत से कम हुई है और यह वर्ष 2015 के 19.1 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2019 में 10 प्रतिशत पर नीचे आ गई है। वर्ष 2017 एवं वर्ष 2018 के दौरान तो गरीबी 3.2 प्रतिशत से कम हुई है यह कमी पिछले दो दशकों के दौरान सबसे तेज गति से गिरने की दर है। ग्रामीण इलाकों में छोटे जोत वाले किसानों की आय में वृद्धि तुलनात्मक रूप से अधिक अच्छी रही है जिसके कारण ग्रामीण इलाकों में गरीबों की संख्या वर्ष 2015 के 21.9 प्रतिशत से वर्ष 2019 में घटकर 11.6 प्रतिशत पर नीचे आ गई है, इस प्रकार इसमें 10.3 प्रतिशत की आकर्षक गिरावट दर्ज की गई है।

नये सियासी मोर्चे की सुगबुगाहट, अखिलेश यादव का साथ छोड़ सकते हैं शिवपाल-आजम-जयंत

उत्तर प्रदेश में क्या एक नया सियासी मोर्चा आकार ले रहा है? जिस तेजी के साथ समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी से दिग्गज नेताओं का मोह भंग हो रहा है, वह यही संकेत दे रहा है कि तमाम दलों के नाराज नेता एकजुट होकर अपनी अलग ताकत बना सकते हैं। इस मोर्चे में शिवपाल यादव, आजम खान, स्वामी प्रसाद मौर्य, दारा सिंह जैसे नेता दिख सकते हैं तो राष्ट्रीय लोकदल, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी जैसे छोटे-छोटे दलों की भी इसमें हिस्सेदारी हो सकती है। इसकी सुगबुगाहट भी सुनाई देने लगी है। आजकल आजम खान, शिवपाल यादव और रालोद के जयंत चौधरी के बीच काफी नजदीकी देखने को मिल रही है। जयंत चौधरी की रामपुर में आजम खान की पार्टी से मुलाकात और फिर शिवपाल सिंह यादव का अपने समर्थकों के साथ सीतापुर जिला जेल में आजम खां से भेंट करना नये बनते समीकरणों की ओर इशारा करता है। जेल में शिवपाल सिंह यादव और

आजम खां की मुलाकात को लेकर कयास का दौर जारी है। यदि नया मोर्चा तैयार होता है तो इसका सबसे अधिक नुकसान समाजवादी पार्टी को उठाना पड़ सकता है। आजम खां जहां मुस्लिमों का बड़ा चेहरा हैं तो शिवपाल यादव की अपनी अलग पकड़ है। पश्चिम में जयंत चौधरी और पूरब में ओम प्रकाश राजभर जैसे नेता सियासी ताकत बटोरेंगे। उत्तर प्रदेश में जिस तरह से सियासी हालात बदल रहे हैं उससे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर दबाव बढ़ता जा रहा है। समाजवादी पार्टी के संस्थापकों में से एक वरिष्ठ नेता आजम खां बीते दो वर्ष से सीतापुर जिला जेल में बंद हैं।

सराफा कारोबारी ने बीवी-बच्चों को दिया जहर, खुद फांसी पर झूला, तीन की मौत

पति-पत्नी व बड़े पुत्र की मौत। छोटे पुत्र को गंभीर हालत में किया भोपाल रेफर।

रायसेन/बाड़ी। जिले के बाड़ी कस्बे में सोमवार-मंगलवार की दरम्यानी रात में वार्ड क्रमांक 8 निवासी जितेंद्र सोनी उर्फ बंटी ने परिवार सहित आत्महत्या का प्रयास किया। बताया जाता है कि पत्नी व दो बच्चों को जहर देने के बाद सराफा कारोबारी जितेंद्र सोनी ने फांसी लगा ली। जितेंद्र व उनकी पत्नी एवं बड़े पुत्र की मौत हो गई है। वहीं छोटे पुत्र को गंभीर हालत में प्राथमिक उपचार के बाद भोपाल रेफर किया गया है। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है।

पुलिस को घटनास?थल से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जितेंद्र सोनी पुत्र धनराज सोनी उम्र 35 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक आठ एवं उनकी पत्नी रिंकी उम्र 32 वर्ष, बड़े पुत्र वैष्णव उम्र 12 वर्ष की मौत हो गई है। छोटा पुत्र कार्तिक उम्र 10 वर्ष को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक प्राथमिक उपचार के बाद भोपाल रेफर कर दिया है। पुलिस मौके पर पहुंचकर मौत के कारणों की पता लगाने का कोशिश कर रही है। जितेंद्र सोनी की कन्या शाला के पास ज्वेलर्स की दुकान है। कर्ज व उसको लेकर फजीहत के चलते सराफा व्यापारी द्वारा यह आत्मघाती कदम उठाना बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस उनके परिजनों के बयान ले रही है। तीनों शवों को बाड़ी अस्पताल में रखा गया। इस घटना को लेकर कस्बा में लोगों में रोष नजर आ रहा है। पड़ोसियों को सुबह सात बजे घटना की जानकारी मिली। छोटा पुत्र कार्तिक गम्भीर स्थिति में था। आस-पड़ोस के लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया और पुलिस को सूचना दी। कार्तिक की हालत गम्भीर होने के कारण चिकित्सकों ने उसे भोपाल हमीदिया अस्पताल पहुंचा दिया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मीणा ने बताया कि मृतक के घर से सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। छानबीन कर रहे हैं। एफएसएल की टीम सभी साक्ष्य जुटाकर तकनीकी परीक्षण करेगी। जांच के बाद ही आत्महत्या के कारणों के बारे में बताया जा सकता है। प्रथमदृष्टया सोनी की मौत फांसी लगाने व उसकी पत्नी व एक बेटा की मौत जहरीला पदार्थ खाने से हुई है। छोटे बेटे की हालत भी जहरीला पदार्थ खाने से खराब हुई है, जिसे एम्बुलेंस से उपचार के लिए भोपाल हमीदिया अस्पताल भेज गया है।

नरवाई की आग में घिरने से बचा गांव, दमकल कर्मियों ने बुझाई

रायसेन, दीवानगंज। सांची ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले गांव महुआ खेड़ा में मंगलवार दोपहर नरवाई में अज्ञात कारण से आग लग गई। नरवाई में लगी आग ने धीरे-धीरे रौद्र रूप धारण कर लिया। जिससे महुआ खेड़ा गांव आग से घिरने से बच गया। आग धीरे-धीरे गांव की तरफ बढ़ने लगी जिस कारण ग्रामीण घबरा गए। उन्होंने तुरंत सांची फायर ब्रिगेड को फोन लगाया फायर ब्रिगेड एक घंटे बाद महुआ खेड़ा गांव पहुंची। इससे पहले ही ग्रामीणों में आग बुझाना प्रारंभ कर दिया था। फायर बिग्रेड व ग्रामीणों द्वारा बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग बुझाने में शिवनारायण, अजय अहिरवार, विजय, रमेश कुमार, चौकीदार गब्बर, नितिन गौर, नीलेश अहिरवार एवं राहुल इत्यादि ने सहयोग किया।

किसानों से नरवाई में आग नहीं लगाने की अपील

जिले में प्रायः देखने में आ रहा है कि किसानों द्वारा गेहूं फसल कटाई के पश्चात अगली फसल के लिए खेत की तैयारी हेतु अपनी सुविधा के लिए नरवाई में आग लगा देते है। जिससे कभी-कभी आग व्यापक रूप लेकर भारी जन एवं धन की हानि कारण बन जाती है। उप संचालक कृषि एनपी सुमन द्वारा किसानों से खेत में नरवाई नहीं जलाने की अपील की गई है। नरवाई जलाने से वातावरण में प्रदूषण की समस्या बढ़ रही है। आग लगने से कई बार घरों एवं गांव में आग लगने की संभावना बनी रहती है तथा खेतों की मेड़ों पर लगे पेड़-पौधों आदि को नुकसान पहुंचता है।

रोटावेटर से करें सफाई-

एक एकड़ गेहूं फसल से लगभग 9 से 10 क्विंटल भूसा प्राप्त होता है जिसका वर्तमान में बाजार भाव 300 प्रति क्विंटल है। भूसे के महत्व को जन.जन में प्रस्तारित किए जाने की आवश्यकता है कि नरवाई का भूसा 2-3 माह बाद आज से दोगनी दरों पर बिकता है। पशुपालकों को यही भूसा बाजार में मंहगी दरों पर खरीदना पड़ता है।

घर से 13 दिनों से गायब अधेड़ महिला का जंगल में मिला कंकाल

दीवानगंज। घर से 13 दिनों से गायब अधेड़ महिला का गांव मुनारा के जंगल में कंकाल मिला है। सरजू बाई के पुत्र मनोज लोधी ने बताया कि सोमवार सुबह हबीब खा पत्ती काटने के लिए जंगल में गया हुआ था। उसने देखा कि एक महिला का कंकाल जंगल में पड़ा है हबीब खान ने कंकाल को गौर से देखा तो महिला की लाल साड़ी से पहचान लिया कि यह तो सरजू बाई का कंकाल है। उसने तुरंत सरजू के घर वालों को इसकी सूचना दी। जैसे ही घर बालों को सूचना मिली वैसे ही सभी घर के लोग जंगल में पहुंचे। उन सभी लोगों ने पहचान लिया कि यह तो सरजू बाई है। उन्होंने तुरंत दीवानगंज चौकी पर सूचना। चौकी प्रभारी सत्येंद्र दुबे घटनास्थल पर पहुंचे। सरजू बाई पति नवल सिंह लोधी उम्र 42 वर्ष निवासी मुनारा पिपरइ में रहती थी।

इंसान स्वस्थ रहेगा तो परिवार में खुशहाली रहेगी : राजपूत

सिलवानी। नगर के उत्कृष्ट विद्यालय में मंगलवार को स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में पूर्व मंत्री व विधायक रामपाल सिंह ने कहा कि उनका जीवन मानव सेवा के लिए समर्पित है और रहेगा। वह अंतिम सांस तक अपने क्षेत्र के लोगों की सेवा में लगे रहेंगे। उन्होंने कहा कि स्वास्थ ठीक रहेगा तो घर परिवार में खुशहाली रहेगी। इसलिए मेरा सभी से कहना है कि जहां- जहां स्वास्थ शिविर लगाए जा रहे हैं आप वहां पहुंचकर अपना स्वास्थ्य परीक्षण डॉक्टरों से चेक करवाएं। तहसील स्तरीय स्वास्थ्य शिविर को जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश खत्री एवं ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. एचएन मांडरे ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन बीईओ नरेश रघुवंशी ने किया। इस मौके पर पूर्व जनपद अध्यक्ष तरुवर सिंह राजपूत, भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय शुक्ला, दीपक रघुवंशी, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष लखन चंदेल, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष मुकेश राय, गिरजेश चैरसिया, पंडित ओमकार शर्मा, विष्णु रावत, श्याम साहू, जयबाबू जैन सहित ग्रामीण, भाजपा कार्यकर्ता व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

विधायक निधि से 27 टैंकरों का वितरण किया

विधायक राजपूत ने ग्राम पंचायत डाबरी, बर्धा, बेरुआ, अमगवां, देवरी मजिया, बेगवा कलां, कस्बा बम्होरी पहेरिया, सेमराखास, गुत्ती हमीरपुर, सियरमऊ, पौनार, हिनोतिया, खमारिया खुर्द, वीकलपुर, हतोड़ा तथा देवरी हथनापुर को विधायक निधि से प्रदत्त 4 हजार 5 सौ लीटर क्षमता वाले पानी के टैंकरों का वितरण 27 ग्राम पंचायतों को किया। 35 हितग्राहियों को विधायक स्वेच्छानुदान सहायता राशि के चेक का वितरण भी किया।

सेलिब्रिटी डांस रियलिटी शो को जज करेंगे काजोल और शाहरुख खान?

मुंबई। सेलिब्रिटी डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा के निर्माता 10वें सीजन के साथ वापस आने के लिए तैयार हैं। इसी से जुड़ी एक खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि झलक दिखला जा 10 में जजों के पैनल में बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान, जानी-मानी कोरियोग्राफर फराह खान और एक्ट्रेस काजोल को अप्रोच किया गया है। अगर ऐसा होता है तो यह पहली बार होगा जब शाहरुख और काजोल किसी शो में कंटेस्टेंट्स को जज करेंगे।

यह सितारे हो सकते हैं जज

न्यूज एजेंसी आईएनएस के मुताबिक सेलिब्रिटी डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा के निर्माता 10वें सीजन के साथ कमबैक करने की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार शाहरुख खान, काजोल देवगन और फराह खान जैसे बड़े नाम शामिल हो सकते हैं। हालांकि चैनल की तरफ से कोई पुष्टि नहीं की गई है।

पिछला सीजन 2016 में हुआ प्रसारित: बता दें झलक दिखला जा का नौवां सीजन 2016 में प्रसारित किया गया था। करण जौहर, फराह खान, जैकलीन फर्नांडीज और गणेश हेगड़े ने उस सीजन को जज किया है। वह होस्ट मनीष पॉल थे। शो से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि सीजन की शानदार वापसी होगी। शो की कास्टिंग प्रक्रिया में है। जुलाई तक शो टेलीकास्ट हो सकता है।

बॉलीवुड के सपोर्ट में उतरे अभिषेक बच्चन

बोले-साउथ की फिल्मों का रीमेक बनाना हमारी चॉइस, मजबूरी नहीं

साउथ की फिल्म पुष्पा और 'RRR' के बाद इन दिनों सुपरस्टार यश की KGF-2 बॉक्स ऑफिस पर लगातार रिकॉर्ड्स तोड़ रही है। काफी समय से यही देखने को मिल रहा है कि बॉलीवुड की जगह साउथ की फिल्में सिनेमाघरों में धमाल मचा रही हैं। इतना ही नहीं साउथ की सफल फिल्मों का रीमेक बनाने का ट्रेंड भी बॉलीवुड में काफी लंबे समय से चल रहा है। इसे लेकर बॉलीवुड को अक्सर ट्रोल भी किया जाता है। अब साउथ की फिल्मों का रीमेक बनाने पर ही अभिषेक बच्चन ने अपनी राय व्यक्त की है। उन्होंने बॉलीवुड इंडस्ट्री का सपोर्ट करते हुए कहा कि आइडियाज को एक्सचेंज करना दोनों तरफ से ही होता है।

हम एक ही इंडस्ट्री का हिस्सा हैं

अभिषेक बच्चन ने कहा, बॉलीवुड कंटेंट की कमी के कारण साउथ की फिल्मों का रीमेक नहीं करता है। उन्होंने आगे कहा, क्या आप मुझे बता रहे हैं कि साउथ में हिंदी फिल्मों का रीमेक नहीं बन रहा है? यह एक अनुचित प्रश्न है क्योंकि आप जो भी कहते हैं, उसका उत्तर रक्षात्मक होता है। हम सभी भारतीय फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। हम अलग-अलग भाषाओं में काम कर सकते हैं, लेकिन हम एक ही इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। हम सभी एक ही दर्शकों के लिए काम करते हैं। किसी भी फिल्म इंडस्ट्री को लेबल करना पूरी तरह से गलत है। हिंदी या किसी भी भाषा की फिल्मों का हमेशा रीमेक बनाया गया है। यह कोई नई घटना नहीं है। हर समय हमेशा कंटेंट का आदान-प्रदान होता रहा है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है।

शूटिंग अपडेटः सेल्फी की 70 फीसदी शूटिंग मध्य प्रदेश की लोकेशनों पर हुई,

फिल्म में दिखाई जाएगी अक्षय-इमरान की भिड़ंत

मुंबई। अक्षय कुमार ने 2 दिन पहले अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग शुरू की है। वह तमिल फिल्म सूराराई पोट्रू का रीमेक है। उससे पहले वो मध्य प्रदेश में मलयाली फिल्म ड्राइविंग लाइसेंस की हिंदी रीमेक सेल्फी की शूटिंग कर रहे थे। अक्षय सूराराई पोट्रू की शूटिंग कर रहे थे, इसलिए इमरान हाशमी ने मंगलवार को सेल्फी की शूटिंग अक्षय कुमार के बगैर की। फिल्म से जुड़े सूत्रों ने इसकी पुष्टि की। 26 अप्रैल को सेल्फी के एमपी शेड्यूल का आखिरी दिन था।

सेल्फी

में अक्षय के अपोजिट नजर आएंगी डायना पेंटी सूत्रों ने बताया, इमरान हाशमी इसमें मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर के रोल में हैं। वहीं अक्षय कुमार एक सुपरस्टार की भूमिका में नजर आएंगे। इमरान का किरदार उस स्टार का जबरा फैन है। फिल्म में स्टार और उसके फैन की भिड़ंत है। डायना पेंटी और नुसरत भरुचा यहां मेन लीड एक्ट्रेसेज के रोल में हैं। संयोग से नुसरत भरुचा अक्षय कुमार के साथ फिल्म राम सेतु में भी हैं। हालांकि, सेल्फी में वो अक्षय के अपोजिट नहीं हैं। यहां वो इमरान हाशमी की वाइफ के रोल में हैं। सेल्फी में अक्षय कुमार के अपोजिट डायना पेंटी हैं।

फिल्म की 70 फीसदी शूटिंग मध्य प्रदेश के लोकेशनों पर हुई है

सेल्फी की 70 फीसदी शूटिंग मध्य प्रदेश के लोकेशनों पर हुई है। अक्षय की हाल के बरसों में पैडमैन और ओह माय गॉड-2 भी एमपी में हुई है। सूत्रों ने सेल्फी के बारे में बताया कि एमपी शेड्यूल भोपाल में ही पूरा किया गया है। फिल्म में स्टार के पीछे और आसपास फैंस की भारी भरकम भीड़ के सीन हैं। कोविड केसेज कम रहने के चलते फिल्म में फैंस के क्राउड का इस्तेमाल हुआ। कई सीन में एमपी के चार से पांच हजार जूनियर आर्टिस्टों को बतौर क्राउड कास्ट किया गया।

शाहरुख ने मन्नत में लगवाई 25 लाख रुपए की नेम प्लेट

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान के बंगले मन्नत की आउटसाइड फोटोज सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रही हैं। इन फोटोज को देख साफ नजर आ रहा है कि उन्होंने अपने बंगले मन्नत की नेम प्लेट चेंज करवाई है। रिपोर्ट्स के अनुसार मन्नत के इस सिंपल और क्लासी नेम प्लेट की कीमत 25 लाख रुपए है।

गौरी के सुपरविजन में बनी है ये नेम प्लेट

रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहरुख की पत्नी गौरी खान के सुपरविजन में इस नेम प्लेट को तैयार किया गया है, जो एक इंटीरियर डिजाइनर है। गौरी अपने घर की नेम प्लेट को कुछ अलग सा चाहती थीं। रिपोर्ट में ये भी कहा जा रहा है कि गौरी को अपने बंगले के लिए कुछ क्लासी चाहिए था, जो उनकी फैमिली के स्टैंडर्ड को मैच कर सके, इसलिए उन्होंने इस नंबर प्लेट को चुना। शाहरुख हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म पठान की शूटिंग खत्म कर स्पेन से इंडिया वापस आए हैं।

15 साल बाद फिर लौटी मंजुलिका, रिलीज हुआ भूल भुलैया 2 का ट्रेलर

मुंबई। कार्तिक आर्यन अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म भूल भुलैया 2 को लेकर चर्चा में हैं। जिसमें कार्तिक आर्यन के साथ कियारा आडवाणी लीड रोल में नजर आएंगी। भूल भुलैया 2 में जहां कार्तिक आर्यन ने अक्षय कुमार को रिप्लेस किया है, वहीं %मंजुलिका% की वापसी हुई है। हाल ही में कार्तिक आर्यन ने फिल्म के ट्रेलर रिलीज का ऐलान किया था, जिसके बाद फैंस बेसब्री से इसके ट्रेलर का इंतजार कर रहे थे। अब जब, भूल भुलैया 2 का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है तो फैंस की भी खुशी का ठिकाना नहीं है। भूल भुलैया 2 का ट्रेलर रिलीज होते ही छा गया है।

किरदार वहीं होंगे लेकिन चेहरे नए होंगे

रिलीज हुए इस ट्रेलर को देखकर लग रहा है कि फिल्म की कहानी और किरदार वही हैं, सिर्फ चेहरे बदल दिए गए हैं। भूल भुलैया में जो किरदार अमीषा पटेल निभा रही थीं, वह जिम्मेदारी सीक्वल में तब्बू को दे दी गई है। उसी तरह अक्षय कुमार वाले रोल में कार्तिक आर्यन हैं। रही बात मंजुलिका यानी विद्या बालन की तो सीक्वल में यह किरदार कियारा आडवाणी निभा रही हैं।

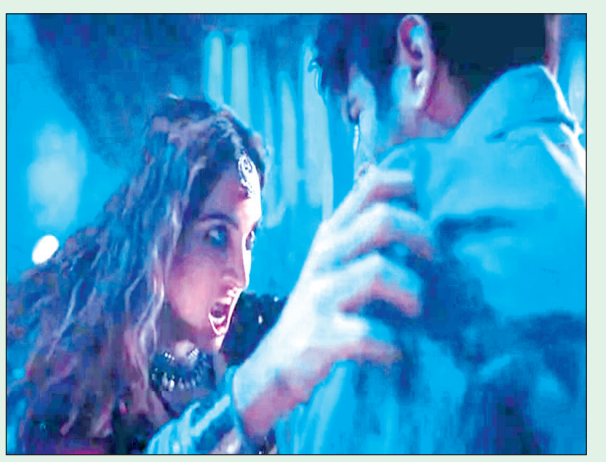

20 मई को रिलीज होगी भूल भुलैया 2

भूल भुलैया 2, 20 मई को रिलीज की जाएगी। वहीं रिलीज हुए ट्रेलर की शुरुआत होती है डरावनी हवेली के साथ। जिसके दरवाजे पर तब्बू खड़े होकर किसी से बात करती नजर आती हैं। तब्बू कहती हैं, 15 साल बाद फिर इस दरवाजे ने दस्तक दी है। इसके पीछे कोई साधारण आत्मा नहीं है। काला जादू करने वाली एक मंजुलिका है। इसके बाद एंट्री होती है कार्तिक आर्यन की, जो भूतों के बीच पले-बड़े होने की बात कहते हैं। ट्रेलर में कार्तिक आर्यन हवेली में रहने वाले सदस्यों के सामने यह दावा करते नजर आते हैं कि वह ना सिर्फ आत्माओं से बात करते हैं, बल्कि कई बार आत्माएं उनके अंदर आ भी जाती हैं। वहीं कियारा के कैरेक्टर के साथ उनकी नोंक-झोंक भरी केमेस्ट्री देखने को मिलती है। ट्रेलर से जाहिर होता है कि भूल भुलैया की ही तरह भूल भुलैया 2 भी दर्शकों को डराने के साथ ही पेट पकड़कर हंसने पर मजबूर करने वाली है। कुल 3 मिनट 12 सेकेंड के ट्रेलर में कार्तिक आर्यन अपने जबरदस्त अवतार में नजर आ रहे हैं।

होम लोन पर टैक्स बचत

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने घर खरीदारों के लिए कई लाभ शुरू किए हैं ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों का अपना खुद का घर होने का सपना पूरा हो सके। घर मालिक होने के सबसे महत्वपूर्ण लाभों में से एक कर लाभ भी हैं। दरअसल होम लोन एक लंबी अवधि का निवेश है, जो आपको लंबी अवधि के लिए टैक्स छूट भी देता है। आयकर अधिनियम के सेक्शन 80ष्ट के तहत होम लोन पर टैक्स छूट की पात्रता है। यदि आप भी खुद का घर बनाने का सपना देख रहे हैं तो हाउसिंग लोन टैक्स बेनिफिट्स में कई सुविधाएं ले सकते हैं। यहां जानें पूरी जानकारी - दरअसल अधिकांश लोगों के पास घर खरीदने के लिए बड़ी रकम नहीं होती है और ऐसे में सरकार और बैंक बड़ी मात्रा में वित्तीय रूप से मदद देती है, ताकि लोग अपना खुद का घर खरीदने का सपना पूरा कर सके। यह वित्तीय सहायता बैंक की ओर से होम लोन के रूप में करती है और ग्राहक को 10 से 25 फीसदी राशि मार्जिन मनी के रूप में जमा करनी होती है। यहां बैंक की ओर से दिया जाने वाला ऋण आपकी पात्रता पर भी निर्भर करता है। साल 2020-21 में भारत के केंद्रीय मंत्री ने ऐलान किया था कि होम लोन पर आयकर छूट के सभी पुराने नियम वर्ष 2024 तक लागू रहेंगे और आवास ऋण इस तरह से लाभ ले सकते हैं। ऐसे में आपको अपनी होम लोन के ईएमआई के दो प्रमुख घटकों मूलधन और ब्याज राशि के बारे में अच्छी तरह से जानना जरूरी है क्योंकि ऐसा होने पर ही आप टैक्स बेनिफिट्स ले सकते हैं। आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80ष्ट के अनुसार, यदि संपत्ति स्व-कब्जे वाली है तो आप चुकाई गई राशि पर टैक्स लाभ ले सकते हैं। इसके अलावा होम लोन की मदद से कोई दूसरा घर खरीदा है और वह खुद के कब्जे में हैं या किराए से दिया है तो ऐसे मामले में भी 1.5 लाख रुपए तक के आवास ऋण पर टैक्स लाभ ले सकते हैं। इसके अलावा स्टांप शुल्क और पंजीकरण शुल्क पर भी टैक्स लाभ ले सकते हैं। आयकर अधिनियम की धारा 24 के तहत होम लोन ब्याज कटौती अनुभाग के लिए पात्र हैं।

गाड़ी का आरसी ट्रांसफर कराना हुआ आसान

नई दिल्ली। हर दिन कई सेकेंड हैंड गाड़ियां खरीदी और बेची जाती हैं। जिनका रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट ट्रांसफर करना होता है। यह काम बेहद झंझट भरा होता है। बता दें जब तक वाहन की ओनरशिप अपने नाम ट्रांसफर नहीं करते। तब तक उस गाड़ी के मालिक नहीं कहे जाते हैं। यदि आप पुरानी कार या बाइक खरीद या बेच रहे हैं। तो उसके लिए रजिस्ट्रेशन ट्रासंफर करना जरूरी होता है। हालांकि आरसी ट्रांसफर करना आसान नहीं होता। इसके लिए कई बार आरटीओ ऑफिस के चक्कर काटने पड़ते हैं। आज हम आपको इसका सरल प्रोसेस बताने जा रहे हैं। किसी भी वाहन को बेचने के लिए मालिक को 14 दिन के अंदर ऋष्ट ट्रांसफर करवाना जरूरी होता है। इसके लिए आरटीओ में आवेदन करना होगा। जिसमें कुछ डॉक्यूमेंट की जरूरत पड़ती है। इन कागजों में आरसी की ओरिजिनल कॉपी होना जरूरी है। इसके अतिरिक्त आपको स्नश्च्द्ध 29 भरना होगा। जिसमें खरीदने वाले का पासपोर्ट साइज फोटो और साइन होना चाहिए। फॉर्म को आरटीओ की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। जिसे आरटीओ ऑफिस में जमा करना होगा। इसके बाद एक महीने के अंदर आरसी ट्रांसफर होकर नए पते पर भेज दी जाती है। हालांकि एक राज्य से दूसरे प्रदेश में ट्रांसफन होने में फॉर्म 28 का इस्तेमाल किया जाता है।

एलन मस्क को गडकरी की नसीहत

चीन में कार बनाकर भारत में बेचना अच्छा प्रस्ताव नहीं, भारत में बिजनेस करना है तो टेस्ला यहीं बनाइए

नई दिल्ली। *केंद्रीय परिवहन परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने एक सम्मेलन में एलन मस्क के भारत में अपनी इलेक्ट्रिक कार बेचने के सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि वह टेस्ला इलेक्ट्रिक कार की बिक्री के लिए कार बनाने और उनका एक्सपोर्ट करने के लिए उसका स्वागत करते हैं, लेकिन टेस्ला को चीन से कारों का इम्पोर्ट करने की इजाजत नहीं देते। गडकरी ने कहा कि एलन का कार को चीन में बनाना और यहां बेचना अच्छा प्रस्ताव नहीं है।*

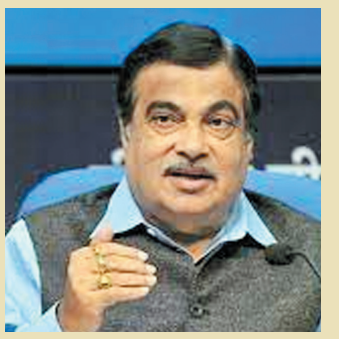

एलन मस्क इंपोर्ट ड्यूटी कम कराना चाहते हैं

एलन मस्क चाहते हैं कि भारत सरकार टेस्ला की कारों पर इंपोर्ट ड्यूटी को कम करें, जिससे वो विदेशों में बनी टेस्ला की कारों को आसानी से इंडियन मार्केट में बेच सकें। लेकिन भारत सरकार इस बात को लेकर बिल्कुल तैयार नहीं है। केंद्र सरकार की ओर से कहा गया था कि एलन मस्क के दबाव का कोई असर नहीं होने वाला है।

पहले भारत में बनाएं फिर छूट की बात करें: *टेस्ला भारत में कार मैन्युफैक्चर करने की बजाय यहां इंपोर्ट कारें बेचना चाहती हैं। टेस्ला ने कई मंचों से अपनी यह बात कही है कि भारत सरकार इलेक्ट्रिक कारों पर इंपोर्ट चार्ज कम करे। हालांकि, सरकार टेस्ला को खरी-खरी बोल चुका है कि टेस्ला भारत में आकर पहले कार बनाए फिर किसी छूट पर विचार होगा।*

उच्च तापमान बैटरी के लिए एक समस्या: *इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स पर आग लगने की घटना पर नितिन गडकारी ने कंपनियों को एडवांस एक्शन लेने को कहा है। उन्होंने कंपनियों से कहा है कि जो भी खराब व्हीकल मार्केट में सेलिंग के लिए उतारे गए हैं उन्हे कंपनी रिकॉल करे। कुछ इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनियों के मालिकों ने आग लगने की घटना की वजह गर्मी का बढ़ना बताया था।*

लोगों की जान पहली प्राथमिकता

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि देश में ईवी इंडस्ट्री अभी शुरू हुई है और सरकार इसमें किसी तरह की लापरवाही नहीं सहेगी। सरकार के लिए सेफ्टी ही प्रॉयरिटी है और कंपनी का किसी की जान के साथ खेलना नहीं सहा जाएगा। उन्होंने कहा कि मार्च-अप्रैल-मई में तापमान बढ़ता है, फिर बैटरी (ईवी) में कुछ समस्या होती है। इसी वजह से इलेक्ट्रिक व्हीकल्स में आग लगती है। सड़क परिवहन मंत्रालय के अनुसार, सेंटर फॉर फायर एक्सप्लोसिव एंड एनवायरनमेंट सेफ्टी को उन परिस्थितियों की जांच करने के लिए कहा गया है जिनकी वजह से आग की यह घटना हुई हैं।

जॉब सर्च करने से बच रहे लोग:भारत के 45 करोड़ ने तलाश ही छोड़ दी

नई दिल्ली। भारत की रोजगार की समस्या खतरनाक रूप ले रही है। मुंबई में एक प्राइवेट रिसर्च फर्म सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के नए डेटा के मुताबिक, सही नौकरी नहीं मिलने से निराश लाखों भारतीय, खासतौर पर महिलाएं, श्रमिकों की लिस्ट से पूरी तरह बाहर होती दिख रही हैं। दरअसल भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के विकास को गति देने के लिए युवा श्रमिकों पर दांव लगा रहा है।

5 साल में श्रम भागीदारी 6% कम हुई

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2017 और 2022 के बीच, कुल श्रम भागीदारी दर 46त्न से घटकर 40त्न हो गई। इसमें लगभग 2.1 करोड़ श्रमिकों ने काम छोड़ा और केवल 9त्न योग्य आबादी को रोजगार मिला। ष्टस्ड्ढश्च के मुताबिक, भारत में अभी 90 करोड़ लोग रोजगार के योग्य हैं। इनमें 45 करोड़ से ज्यादा लोगों ने अब काम की तलाश भी छोड़ दी है।

महिला 49% आबादी को लीड कर रहीं

सोसाइटी जनरल जीएससी (बेंगलुरू) के अर्थशास्त्री कुणाल कुंडू का कहना है कि रोजगार की अभी जो स्थिति बनी हुई है, वह भारत में आर्थिक असमानताएं बढ़ाएगी। इसे 'च' शेप ग्रोथ कहते हैं। इससे अमीरों की आय बहुत तेजी से बढ़ती है, जबकि गरीबों की नहीं बढ़ती। भारत में कई तरह के सामाजिक और पारिवारिक कारणों से भी महिलाओं को रोजगार के बहुत कम मौके मिल रहे हैं।

चिंता... भारतीयों की उम्र बढ़ रही, पर उस रफ्तार से आमदनी नहीं बढ़ रही

विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में 90 करोड़ लोग रोजगार के लायक हैं। इनमें ज्यादातर युवा हैं, जिनकी उम्र बढ़ रही है। लेकिन, काम न होने की वजह से उनकी आमदनी उस रफ्तार में नहीं बढ़ रही, जिस रफ्तार में दुनिया के दूसरे देशों में बढ़ रही है। यही स्थिति रही तो भारत सबसे ज्यादा वर्क फोर्स के बावजूद तरक्की का मौका खो देगा, जो अभी सिर्फ भारत के पास है। क्योंकि, भारत में सबसे ज्यादा युवा हैं। आसान भाषा में कहें तो भारतीय उम्रदराज हो रहे हैं, पर अमीर नहीं हो रहे।

ट्विटर के मालिक बने एलन मस्क

टेस्ला के फाउंडर ने 44 बिलियन डॉलर में खरीदा

नई दिल्ली। टेस्ला ष्टश्वह्र एलन मस्क ट्विटर के नए मालिक बन गए हैं। मस्क ने ट्विटर को खरीदने के लिए 44 बिलियन डॉलर यानी 3368 अरब रुपए की डील की हैं। इस हिसाब से मस्क को ट्विटर के हर शेयर के लिए 54.20 डॉलर (4148 रुपए) चुकाने होंगे। ट्विटर के इंडिपेंडेंट बोर्ड के चेयरमैन ब्रेट टेलर ने रात 12 बजकर 24 मिनट पर एक प्रेस रिलीज में मस्क के साथ हुई डील के बारे में जानकारी दी। हालांकि, इस डील के सार्वजनिक होने से पहले ही मस्क ने ट्वीट करके माइक्रो ब्लॉगिंग साइट को खरीदने के संकेत दे दिए थे। मस्क ने लिखा था- उम्मीद है कि मेरे सबसे तीखे आलोचक ट्विटर पर बने रहेंगे। यही फ्री स्पीच के असल मायने हैं। ट्विटर को खरीदने के लिए एलन मस्क ने पहले 43 बिलियन डॉलर यानी करीब 3273.44 अरब रुपए का ऑफर दिया था।

एलआईसी की इन योजनाओं में निवेश से होगी टैक्स की बचत

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने 13 दिसंबर 2021 से धन रेखा नामक एक नई बचत बीमा पॉलिसी शुरू की है। एलआईसी द्वारा 13 दिसंबर को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह एक व्यक्तिगत बचत जीवन बीमा योजना है। इसकी कुछ खास विशेषताएं हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि महिला जीवन के लिए विशेष प्रीमियम दरें हैं। थर्ड जेंडर के लिए योजना की अनुमति है। योजना के तहत सभी लाभ पूरी तरह से गारंटीकृत हैं। धन रेखा योजना प्रीमियम भुगतान अवधि के नियमित अंतराल पर मूल बीमा राशि का एक प्रतिशत लाभ के रूप में भुगतान करती है।

एलआईसी धन रेखा योजना डिटेल

- इस योजना के तहत, न्यूनतम सम एश्योर्ड 2 लाख रुपये है, जिसमें अधिकतम सम एश्योर्ड पर कोई ऊपरी प्रतिबंध नहीं है।
- पॉलिसी अवधि के आधार पर, प्रवेश करने की न्यूनतम आयु 90 दिनों से लेकर 8 वर्ष तक होती है।
- इस प्लान को POSPLI/कॉमन पब्लिक सर्विस सेंटर्स (CPSC-SPV) और वेबसाइट www.licindia.in जैसे एजेंटों/मध्यस्थों के माध्यम से ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह से खरीदा जा सकता है।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)